RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381
डाक पंजीकरण संख्या MP/IDC/1619/2024-2026

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

13 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ● 07 फरवरी , 2026 वर्षः-13 अंक-280 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

टी-20 वर्ल्ड कप का आगाज आज से

● मुंबई में यूएसए के साथ भारत खेलेगा पहला मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप कल शनिवार से शुरू हो रहा है। इनमें 20 टीमों के 300 प्लेयर्स हिस्सा लेंगे। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में हो रहे इस टूर्नामेंट में 4 अलग-अलग ग्रुप में मैच होंगे। टीमों में अफगानिस्तान और नेपाल की टीमें सबसे युवा हैं, दोनों की औसत आयु 25-25 साल है। जबकि न्यूजीलैंड और यूएसए की टीमें सबसे उम्रदराज हैं। इनमें औसत आयु 31-31 साल है। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चर्चा ग्रुप ऑफ डेथ को लेकर है। इस बार यह टैग ग्रुप-डी को मिला है। जिसमें पिछली बार की फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका के साथ 2021 की रनर-अप न्यूजीलैंड और पिछली सेमीफाइनलिस्ट अफगानिस्तान शामिल हैं। ग्रुप-ए में भारत और पाकिस्तान जैसी राइवल टीमों के अलावा ग्रुप-सी में 2-2 बार की चैंपियन इंग्लैंड और वेस्टइंडीज भी आमने-सामने हैं। ग्रुप-ए में डिफेंडिंग चैंपियन भारत और पाकिस्तान जैसी राइवल टीमें हैं। जबकि नीदरलैंड और नामिबिया भी इस ग्रुप का हिस्सा हैं। कागजों पर भारत और पाकिस्तान को मजबूत दावेदार माना जा रहा है, लेकिन पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में अमेरिका ने पाकिस्तान को हराया था।

नेपाल से सटे यूपी के जिलों के लिए आया नया नियम

● अब बगैर पैन कार्ड नहीं कर पाएंगे किसी भी प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री

लखनऊ (एजेंसी)। भारत और नेपाल सीमा से लगे उत्तर प्रदेश के जिलों में संपत्ति रजिस्ट्री प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए यूपी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग ने अब इन जिलों में संपत्ति रजिस्ट्री के लिए पैन कार्ड अनिवार्य कर दिया है। इससे पहले फॉर्म-60 भरकर रजिस्ट्री करने की सुविधा थी जो अब खत्म कर दी गई है। यह फैसला मनी लॉन्ड्रिंग, अवैध धन के निवेश और सीमा पार से जुड़े संदिग्ध लेन-देन को रोकने के उद्देश्य से लिया गया है। यूपी की महानिरीक्षक निबंधन नेहा शर्मा ने इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। इसमें विभागीय ऑनलाइन लेखपत्र पंजीकरण सॉफ्टवेयर में खरीदार और विक्रेता दोनों पक्षों के पैन कार्ड की अनिवार्य प्रविष्टि और सत्यापन की व्यवस्था लागू की गई है। यह नया नियम विशेष रूप से नेपाल से सटे उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी जैसे जिलों में लागू किया गया है। इन सीमावर्ती क्षेत्रों में अक्सर बेनामी या फर्जी नामों से संपत्ति खरीदने की शिकायतें आती रही हैं।

महिला की मर्जी के बिना

मां बनने के लिए मजबूर नहीं कर सकती अदालत

● सुप्रीम कोर्ट ने दी गर्भपात की इजाजत, कहा-महिला की प्रजनन स्वायत्तता सर्वोपरि

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में महिला के प्रजनन संबंधी अधिकारों और उसकी स्वायत्तता को सर्वोपरि माना है। कोर्ट ने शुक्रवार को एक 18 वर्षीय युवती को 30 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की अनुमति दे दी। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें गर्भपात की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। साथ ही हाई कोर्ट ने सुझाव दिया था कि युवती को बच्चे को जन्म देना चाहिए और बाद में उसे गोद दे देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा- अदालत किसी भी महिला को उसकी गर्भावस्था पूरी करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती, यदि वह ऐसा नहीं करना चाहती है। युवती ने 17 साल की उम्र में गर्भधारण किया था, और अब वह 18 साल 4 महीने की है। यह गर्भ एक मित्र के साथ संबंध के कारण ठहरा था। कोर्ट ने माना कि इस गर्भावस्था को जारी रखना युवती के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद दर्दनाक होगा। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में कहा गया कि गर्भपात की प्रक्रिया से युवती की जान को कोई गंभीर खतरा नहीं है। युवती के वकील ने तर्क दिया कि अवैध बच्चे को जन्म देने से जुड़े सामाजिक कलंक के कारण उसे गहरा मानसिक आघात पहुंचेगा। कोर्ट ने सहमति जताते हुए कहा कि अपीलकर्ता के अधिकारों की रक्षा करना अनिवार्य है, भले ही निर्णय लेने में देरी हुई हो।

● **यहां मुख्य मुद्दा यह है कि लड़की गर्भावस्था जारी नहीं रखना चाहती-** दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने कहा कि यहां मुख्य मुद्दा यह है कि लड़की गर्भावस्था जारी नहीं रखना चाहती। अदालत ने कहा- यह प्रश्न नहीं है कि संबंध सहमति से था या नहीं। वास्तविकता यह है कि बच्चा अवैध है और मां बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती। मां की प्रजनन स्वायत्तता को महत्व दिया जाना चाहिए। भारत में मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी कानून के तहत 20 सप्ताह तक महिला स्वयं गर्भपात का निर्णय ले सकती है। 20 से 24 सप्ताह के बीच मेडिकल बोर्ड की राय जरूरी होती है। 24 सप्ताह के बाद गर्भपात की अनुमति केवल अदालत दे सकती है। अंततः सुप्रीम कोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए 30 सप्ताह की गर्भावस्था को चिकित्सकीय रूप से समाप्त करने की अनुमति दे दी और याचिकाकर्ता से इसके लिए लिखित सहमति देने का निर्देश दिया।

विकसित भारत को अपना सपना बनाएं

● पीएम बोले-एक साल में हर विदेशी चीज स्वदेशी से बदलें

परीक्षा पे चर्चा-पीएम ने बच्चों को असम के गमछे पहनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को परीक्षा पे चर्चा के 9वें एडीशन में देशभर से आए बच्चों से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पीएम आवास पर मोदी ने पहले बच्चों को असम के गमछे पहनाए और फिर उनके सवालों के जवाब दिए। पहले एपिसोड में मोदी ने बच्चों को विदेशी चीजें छोड़कर स्वदेशी चीजें अपनाने की सलाह दी। साथ ही, बच्चों से कहा कि वो 25 साल में विकसित भारत बनाने को अपना सपना बनाएं। पीएम बोले- जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तब आप लोग 39-40 साल के होंगे। आपको अभी से विकसित भारत को अपना सपना बनाना चाहिए। भगत सिंह आजादी का सपना दिल में रखकर फांसी पर झूल गए। जो आजादी से 25 साल पहले, 30 साल पहले बलिदान किए गए, उसी से आजादी मिली। अपना सपना बनाएं कि विकसित भारत के लिए मुझे क्या करना है।

● **देश की अमर कहानियों पर गेम बनाओ** -गोवा के श्रीजीत गाडगिल ने सवाल किया, मेरा गेमिंग में बहुत इंटरेस्ट है। मगर पेरेंट्स नहीं समझते। मैं क्या करूं। पीएम ने जवाब दिया- भारत देश कहानियों से भरा हुआ है। आप खुद के गेम बनाओ। पंचतंत्र की कहानियों पर गेम बनाओ। अभिमन्यु की कहानी पर गेम बनाओ और अपनी वेबसाइट बनाकर उस पर लॉन्च करो। धीरे-धीरे देखोगे कि कितने लोग तुम्हारे गेम्स खेल रहे हैं।

● **मार्क्स-मार्क्स की बीमारी से बचो** -एक स्टूडेंट के सवाल के जवाब में पीएम मोदी ने कहा- पता नहीं ये मार्क्स- मार्क्स की बीमारी कैसे फैल गई है। आप लोगों को पिछले साल के टॉप 1 से 10 तक के नाम याद हैं क्या ये उपलब्धि तो कुछ देर के लिए होती है। हमें पढ़ाई पर ध्यान देना है।

मेहनत और निष्ठा का प्रतिफल पुरस्कारः राज्यपाल पटेल

लोक भवन की पुरस्कृत 63 पुष्प किस्मों का किया अवलोकन

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने राज्य स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी में प्रदर्शित लोक भवन के पुष्पों की विभिन्न किस्मों का अवलोकन किया। उन्होंने लोक भवन को प्राप्त पुरस्कारों की जानकारी ली। लोकभवन उद्यानों के रखरखाव से जुड़े कर्मचारियों और अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल श्री पटेल ने अधिकारियों-कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मेहनत और निष्ठा से किए गए कार्य सदैव उत्कृष्ट होते हैं। उन्होंने कहा कि प्राप्त पुरस्कार कर्मचारियों की कार्य-निष्ठा और समर्पण का प्रतिफल हैं। फूलों की देखभाल में बहाया गया पसीना ही इन पुरस्कारों का प्रसाद है। राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में 63 किस्मों को पुरस्कार मिलना हर्ष और गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि पुरस्कृत किस्मों में से 42 पुष्पों को प्रथम तथा 21 पुष्पों को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त होना एक विशिष्ट उपलब्धि है। राज्यपाल श्री पटेल लोक भवन की प्रदर्शनी में पुरस्कृत पुष्पों का अवलोकन करने के लिए लाल कोठी के सामने स्थित पुरानी तोप प्रांगण पहुंचे। उन्होंने प्रत्येक पुरस्कृत पुष्प किस्म का अवलोकन किया तथा पुरस्कारों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। पुष्प प्रदर्शनी में शासकीय, अर्धशासकीय एवं निजी संस्थानों तथा कृषकों ने भाग लिया था।

एम्स की डॉक्टर को लगातार तीसरी बार मिला नेशनल अवार्ड

● डॉ. भावना शर्मा नेत्र विभाग की एचओडी, द्रोणाचार्य सम्मान के लिए भी नाम की हुई घोषणा

भोपाल। एम्स भोपाल के नेत्र रोग विभाग की प्रमुख प्रो. भावना शर्मा को नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में लगातार तीसरी बार 'नेशनल रिसोर्स टीचर गोल्ड प्लाक' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'गुरुसंगम' कार्यक्रम में दिया गया। देशभर के करीब 100 वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद डॉ. शर्मा का चयन किया गया। यह पुरस्कार शिक्षण गुणवत्ता, विषय की गहराई, प्रस्तुति की स्पष्टता और व्यावहारिक उपयोगिता जैसे मापदंडों पर दिया जाता है। प्रो. भावना शर्मा पिछले तीन सालों से गुरुसंगम मंच पर लगातार अपने व्याख्यानों के जरिए राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हासिल कर रही हैं।

भारत के बजट के कारण

दुनिया अपनी नीति बदल रही है

● मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले-तुअर के बाद अब मसूर और उड़द पर भी बोनस देने की बात कही

भोपाल। ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के आयोजन में शामिल हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि भारत दाल उत्पादक और उपभोक्ता वाला देश है। दाल के प्रोटीन की ताकत भारत वाले जानते हैं। शाकाहारी परिवारों में दाल के बजाय किसी और से काम चलाना कठिन हो जाता है। एसोसिएशन ने बताया कि पहले 2300 कारखाने थे, अब 1300 बचे हैं। हमने तुअर से टैक्स हटाया है, अब उद्योगपति कारखाने बढ़ाएं। दूसरे राज्यों के उद्योगपति भी हमारे राज्य में कारखाने लगाएं। दालों के उत्पादन के अलावा मसूर और उड़द का उत्पादन बढ़े, इसलिए सरकार इसमें भी बोनस देगी। किसानों की आय बढ़ाने के लिए हम प्रोत्साहन दे रहे हैं। इंदौर का दौर तो सबसे बेहतर है।

गरीब, महिला, युवा और किसानों के लिए हमारी सरकार काम कर रही- उन्होंने कहा कि गरीब, महिला, युवा और किसानों के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। सभी को प्रोत्साहन देकर हमारे बजट को पांच साल में डबल करेंगे। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करेंगे और हम प्रदेश को भी आर्थिक रूप से संपन्न बनाएंगे। भारत ने तमाम देशों के बीच अपनी पहचान बनाई है। भारत गुटनिरपेक्ष नीति अपनाता है।

उद्योगपति कारखाने लगाने का मन बनाएं, मिलेगी मदद - किसी भी प्रकार के नए उद्योग के लिए सरकार जमीन नियमों में सरलीकरण सहित कई सुविधाएं दे रही है। उद्योगपति कारखाने लगाने का मन बनाएं। हमारी सरकार हरसंभव मदद करेगी। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी ग्रेनेक्स इंडिया-2026 का शुभारंभ किया। इस आयोजन में 200 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भाग ले रही हैं। दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया कि फूड प्रोसेसिंग से जुड़ी कंपनियां उत्पादों और तकनीकें प्रस्तुत करेंगी।

● भागीरथपुरा दूषित पानी कांड

33वीं मौत के बाद सरकार पर सवाल, उमंग सिंघार ने की जवाबदेही तय करने की मांग

इंदौर। भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल से फैले स्वास्थ्य संकट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को 70 वर्षीय बुजुर्ग अलगूराम यादव की इलाज के दौरान मौत हो गई, जिसके बाद इस मामले में मृतकों की संख्या बढ़कर 33 हो जाने का दावा किया जा रहा है। इस घटना को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर प्रदेश सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस मौत पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि यह कोई साधारण हादसा नहीं, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही की भयावह त्रासदी है। उन्होंने कहा कि अब समय केवल औपचारिक बयानबाजी का नहीं, बल्कि जवाबदेही तय करने, पारदर्शी जांच कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने का है।

इलाज के दौरान बुजुर्ग की मौत- जानकारी के अनुसार, अलगूराम यादव को 9 जनवरी को अरबिंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे पिछले करीब एक महीने से बीमार थे। परिजनों का कहना है कि दूषित पानी से फैली उल्टी-दस्त की बीमारी के कारण उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई। परिवार ने यह भी बताया कि कुछ समय पहले उनकी पत्नी की भी इसी बीमारी से मौत हो चुकी है। स्थानीय निवासियों और कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, इस मौत के बाद भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से जान गंवाने वालों की संख्या 33 तक पहुंच गई है।

● **सरकार से न्याय और सुरक्षित पेयजल की मांग**

उमंग सिंघार ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भागीरथपुरा में मौतों का सिलसिला लगातार जारी है, लेकिन सरकार अब तक कोई ठोस और प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ बयान देने से पीड़ित परिवारों को कोई राहत नहीं मिल सकती। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि पीड़ित परिवारों को न्याय और समुचित मुआवजा दिया जाए, साथ ही क्षेत्र में सुरक्षित और शुद्ध पेयजल की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो यह संकट और गंभीर रूप ले सकता है।

एअर इंडिया के 191, इंडिगो के 148 विमानों में बार-बार खराबी

सरकार ने संसद में माना-754 प्लेन की जांच में यह बात सामने आई

नई दिल्ली (एजेंसी)। हवाई यात्रा की सुरक्षा सवालों में है। जनवरी 2025 से देश की छह प्रमुख एयरलाइंस के कुल 754 विमानों की तकनीकी जांच की गई। इनमें से 377 विमानों में बार-बार आने वाली खराबियों की पहचान हुई। यानी एक ही खराबी बार-बार सामने आई, भले ही उसे पहले ठीक कर दिया गया था। एअर इंडिया ग्रुप के 267 विमानों में से 191 (72 फीसदी) में बार-बार तकनीकी खराबी पाई गई। इसके बाद इंडिगो का नंबर था। इसके 405 विमानों की जांच की गई। उनमें से 148 में इस साल 3 फरवरी तक रिपीटेटिव डिफेक्ट (एक ही खराबी बार-बार) पाई गई। लोकसभा में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि एजेंसी ने पिछले साल सुरक्षा को लेकर बड़े पैमाने पर जांच की। इस दौरान 3890 सर्विलांस इंस्पेक्शन, 56 ऑडिट, 492 रैंप चेक और 84 विदेशी विमानों की जांच की गई। 874 स्पॉट चेक और 550 नाइट सर्विलांस भी किए गए। एअर इंडिया के एक प्रवक्ता ने सरकारी डेटा जारी के बाद कहा, हमने बहुत ज्यादा सावधानी बरतते हुए अपने पूरे फ्लीट में चेक किए हैं, इसलिए संख्या ज्यादा है।

● **स्पाइसजेट के 16 विमानों में गड़बड़ी-** इसके अलावा, स्पाइसजेट के 43 विमानों में से 16 में बार-बार गड़बड़ी होने का पता चला तथा आंकड़ों के अनुसार, विश्लेषण किये गए 32 विमानों में से कुल 14 अकासा एअर विमानों में बार-बार होने वाली गड़बड़ी की बात सामने आई। इसी दौरान, विमानन सुरक्षा नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भी 3,890 निगरानी निरीक्षण किए। मंत्री ने एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि पिछले तीन वर्षों में उड़ानों में तकनीकी गड़बड़ी के मामलों की संख्या में कमी आई है और गत वर्ष ऐसी केवल 353 घटनाएं हुईं। मोहोल ने बताया कि वर्ष 2024 में तकनीकी गड़बड़ी के कुल 421 मामले सामने आए, जो इसके पिछले वर्ष की 448 घटनाओं से कम है। डीजीसीए के पास सभी विमान और हवाई अड्डा संचालकों के लिए नियमों के अनुपालन की निगरानी होगी।

नाबालिग छात्रा अपहरण मामले में आरोपी गिरफ्तार, निकाला जुलूस, युवती बरामद

मंदसौर। जिले के दलौदा थाना क्षेत्र से लापता हुई नाबालिग छात्रा को पुलिस ने करीब 10 दिन बाद उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से सुरक्षित बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने मेरठ निवासी आरोपी मोहम्मद शकील को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता नाबालिग है और दसवीं कक्षा की छात्रा है। जांच में सामने आया है कि आरोपी और नाबालिग छात्रा के बीच पिछले लगभग एक वर्ष से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट के माध्यम से संपर्क था। छात्रा के पास मोबाइल फोन नहीं था और वह टैबलेट के जरिए आरोपी से बातचीत करती थी। पुलिस का कहना है कि आरोपी विशेष रूप से मेरठ से मंदसौर आया और शादी का झांसा देकर नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। छात्रा के लापता होने के बाद परिजनों की शिकायत पर दलौदा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों और लोकेशन के आधार पर गुरुवार को पुलिस टीम ने ग्रेटर नोएडा पहुंचकर छात्रा को सुरक्षित बरामद किया और आरोपी को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ लव जिहाद सहित अन्य गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा और पूछताछ के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे घटनाक्रम से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है। आरोपी का जुलूस निकाले जाने को लेकर पुलिस ने सफाई देते हुए कहा कि वाहन खराब होने के कारण आरोपी को पैदल मेडिकल जांच के लिए ले जाया गया, जिसे जुलूस के रूप में प्रचारित किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले में कानून के अनुसार ही कार्रवाई की जा रही है।

नाबालिग आदिवासी किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार, बेटी से अपराध के सदमे में मां ने की आत्महत्या

ग्वालियर। जिले में एक नाबालिग आदिवासी किशोरी के साथ दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना से आहत होकर पीड़िता की मां ने आत्महत्या कर ली। मृतका के पति ने पत्नी की तेरहवीं के बाद अपनी बेटी के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना घाटीगांव थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार 15 जनवरी 2026 को दोपहर के समय 16 वर्षीय किशोरी घर पर अकेली थी। इसी दौरान आरोपी दिलीप बरार, जो किशोरी के भाई का दोस्त है और घर आना-जाना करता था, ने मौके का फायदा उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के समय किशोरी के भाई घर पर मौजूद नहीं थे, मां खेत पर गई हुई थी और पिता मुरैना में काम के सिलसिले में थे। घटना के बाद जब मां घर लौटी, तो किशोरी ने उसके साथ हुई आपबीती बताई। इसके बाद मां ने फोन पर अपने पति को घटना की जानकारी दी, लेकिन वह तत्काल घर नहीं आ सका। इसी मानसिक आघात के चलते महिला ने उसी रात घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 16 जनवरी को पुलिस को आत्महत्या की सूचना मिली, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम किया गया। प्रारंभिक जांच के दौरान परिजनों ने पुलिस से अनुरोध किया कि अंतिम संस्कार और धार्मिक कार्यक्रमों के बाद वे बयान देंगे। इसके बाद तेरहवीं संपन्न होने पर मृतका का पति अपनी बेटी के साथ थाने पहुंचा और दुष्कर्म की घटना की औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी दिलीप बरार के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है और मामले की विस्तृत जांच जारी है।

तेजगढ़ पुलिस ने सुलझाई सागोनी जंगल हत्याकांड की गुत्थी, एक लाख की लूट के लिए कलेक्शन एजेंट की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

दमोह। जिले के तेजगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सागोनी के जंगल में मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए हत्या की गुत्थी सुलझा ली है। फ्यूजन फाइनेंस कंपनी के कलेक्शन एजेंट विनोद अहिरवार की हत्या महज एक लाख रुपए लूटने के इरादे से की गई थी। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपी गोविंद आदिवासी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी गोविंद आदिवासी की मां ने फ्यूजन फाइनेंस कंपनी से लोन लिया था। इसकी किस्त वसूलने विनोद अहिरवार अक्सर उनके घर जाया करता था। 27 जनवरी को आरोपी ने साजिश के तहत विनोद को फोन कर उमरघाट बुलाया और यह कहकर झांसा दिया कि वह अपनी मां के लोन की दूसरी किस्त भी चुकाना चाहता है। किस्त मिलने की उम्मीद में विनोद वहां पहुंचा, जिसके बाद आरोपी उसे अपनी बाइक पर बैठाकर सागोनी के जंगल की ओर ले गया। जंगल के सुनसान इलाके में पहुंचते ही आरोपी ने विनोद पर जानलेवा हमला कर दिया। उसने पत्थर से सिर कुचलकर उसकी निर्मम हत्या कर दी और उसके पास मौजूद कलेक्शन के करीब एक लाख रुपए लेकर फरार हो गया। 28 जनवरी की सुबह विनोद का शव लहूलुहान हालत में पत्थरों के बीच दबा मिला, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर ने बताया कि आरोपी के कब्जे से लूटे गए एक लाख रुपए में से 80 हजार रुपए बरामद कर लिए गए हैं। आरोपी ने लूट की रकम से एक नया मोबाइल फोन भी खरीदा था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। इसके अलावा मृतक विनोद का मोबाइल भी आरोपी के पास से बरामद हुआ है। जंगल में मवेशी चरा रहे एक चरवाहे की नजर शव पर पड़ी, जिसके बाद उसने तत्काल इसकी सूचना सरपंच को दी। सरपंच ने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। मृतक के चचेरे भाई सुनील अहिरवार ने बताया कि विनोद के सिर के पास एक छेद था, जिससे गोली मारे जाने का संदेह हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि लूट के उद्देश्य से हत्या की गई है और सिर पर दो बड़े पत्थर भी पटके गए थे। वहीं मृतक के बड़े भाई सुदामा अहिरवार ने बताया कि विनोद के पास कलेक्शन के एक लाख 14 हजार रुपए थे, जो उसकी जेब से नहीं मिले। तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने स्पष्ट किया कि हत्या पत्थर से सिर कुचलकर की गई है। हत्या का मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।फ्यूजन फाइनेंस कंपनी के एरिया मैनेजर अमन मिश्रा ने बताया कि विनोद के पास एक लाख 14 हजार रुपए का कलेक्शन था, जो अब तक बरामद नहीं हुआ है। मंगलवार शाम उसका मोबाइल बंद होने के बाद परिजनों से संपर्क किया गया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। बुधवार को उसकी हत्या की खबर सामने आई। मृतक के पड़ोसी रामेश्वर विश्वकर्मा ने बताया कि विनोद अपने परिवार का मुख्य सहारा था। उसके एक बेटा और एक बेटी है। वह बेहद सीधा-साधा और मेहनती व्यक्ति था। गांव में उसकी हत्या से शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

महाशिवरात्रि 2026 पर ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग रहेगा 24 घंटे खुला, लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद

फूलों से सजेगा मंदिर और साधु-संतों की शोभायात्रा

ओंकारेश्वर। महाशिवरात्रि का पर्व आते ही देशभर के शिव मंदिरों में भक्ति का माहौल बन जाता है, लेकिन मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर की बात ही अलग है। यहां स्थित ज्योतिर्लिंग मंदिर में इस दिन लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस बार भी महाशिवरात्रि पर खास तैयारी की गई है, ताकि आने वाले भक्तों को दर्शन में किसी तरह की परेशानी न हो। इस पावन अवसर पर मंदिर प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर महाशिवरात्रि पर 24 घंटे खुला रहेगा, यानी भक्त दिन-रात कभी भी भगवान शिव के दर्शन कर सकेंगे। यह निर्णय उन श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत है जो दूर-दूर से दर्शन के लिए आते हैं।

क्यों खास है ओंकारेश्वर महाशिवरात्रि का दिन?- हम जानते हैं कि ओंकारेश्वर देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। नर्मदा नदी के बीच बने इस पवित्र स्थल का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सामान्य दिनों में मंदिर रात को बंद कर दिया जाता है क्योंकि शास्त्रों के अनुसार भगवान शिव और माता पार्वती यहां रात्रि विश्राम करते हैं। इस दौरान शयन आरती होती है और भगवान के लिए सेज, झूला और चौसर सजाई जाती है। लेकिन महाशिवरात्रि की रात अलग होती है। इस दिन भगवान शिव स्वयं जागरण करते हैं, इसलिए मंदिर भी पूरी रात खुला रहता है। इसी कारण इस दिन शयन आरती नहीं की जाती।

24 घंटे खुले रहेंगे पट, जानिए दर्शन का पूरा समय- मंदिर ट्रस्ट द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन सुबह तड़के 3 बजे मंदिर के पट खोले जाएंगे। इसके बाद सबसे पहले साधु-संत दर्शन करेंगे, शोभायात्रा के साथ पूजन होगा, उसके बाद आम भक्तों के लिए दर्शन शुरू होंगे, दोपहर 12:20 बजे भोग के लिए कुछ समय पट बंद रहेंगे। फिर दर्शन लगातार जारी रहेंगे, अगले दिन तड़के 3 बजे तक दर्शन चलते रहेंगे। इस दौरान लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, इसलिए सुरक्षा और व्यवस्था भी बढ़ाई जा रही है।

फूलों से सजेगा ओंकारेश्वर मंदिर, घाटों पर भी होगी रोशनी- महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर को विशेष रूप से सजाया जाएगा। पूरे ज्योतिर्लिंग मंदिर परिसर को फूलों से सजाया जाएगा ताकि भक्तों को दिव्य वातावरण का अनुभव हो सके। सिर्फ मंदिर ही नहीं, बल्कि तीर्थनगरी ओंकारेश्वर को भी सजाया जाएगा, घाटों पर रोशनी की विशेष व्यवस्था होगी, मंदिर परिसर में भक्ति संगीत और मंत्रोच्चार का माहौल रहेगा। रात में नर्मदा किनारे जगमगाहट का दृश्य भक्तों को आध्यात्मिक आनंद से भर देगा।

शयन आरती क्यों नहीं होगी?- सामान्य दिनों में रात 8:30 बजे के बाद मंदिर के पट बंद कर शयन आरती की जाती है। इसके बाद भगवान के विश्राम की व्यवस्था की जाती है। लेकिन महाशिवरात्रि पर शयन आरती नहीं होगी, भगवान के लिए सेज और झूला नहीं सजाया जाएगा पूरी रात मंदिर खुला रहेगा। पंडितों के अनुसार, जैसे उज्जैन के महाकाल मंदिर में भस्म आरती का विशेष महत्व है, वैसे ही ओंकारेश्वर में शयन आरती का महत्व माना जाता है। लेकिन इस विशेष दिन पर भगवान जागरण करते हैं।

साधु-संतों की शोभायात्रा से शुरू होंगे दर्शन- महाशिवरात्रि की सुबह पट खुलने के बाद सबसे पहले साधु-संत और संन्यासी शोभायात्रा के साथ मंदिर पहुंचते हैं। इस दौरान मंत्रोच्चार होता है, ढोल-नगाड़ों के साथ यात्रा निकलती है, विशेष पूजा-अर्चना होती है, इसके बाद आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन की शुरुआत होती है

मध्यप्रदेश में बुजुर्गों के लिए घर बैठे इलाज की पहल: 6 जिलों से शुरू हुआ हेल्थ केयर पायलट प्रोजेक्ट

HOPE ऐप से होगी निगरानी, अस्पताल जाने की परेशानी खत्म

भोपाल। अब मध्यप्रदेश में बुजुर्गों को इलाज के लिए अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उम्र, कमजोरी या चलने-फिरने में असमर्थ बुजुर्गों की परेशानी को देखते हुए राज्य सरकार ने घर पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की नई पहल शुरू की है। यह योजना फिलहाल 6 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू की जा रही है, जिससे लाखों परिवारों को राहत मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत नई योजना- मध्यप्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत ऐसे बुजुर्गों की मदद का फैसला किया है जो किसी बीमारी से ग्रस्त हैं लेकिन अस्पताल तक पहुंचने में असमर्थ हैं। योजना के तहत चयनित बुजुर्गों की पहचान कर स्वास्थ्य कर्मचारी और नर्सिंग स्टाफ उनके घर जाकर जांच और प्राथमिक इलाज करेंगे।

घर पर होगी जांच, डॉक्टर से ऑनलाइन सलाह- इस योजना के अंतर्गत नर्सिंग स्टाफ बुजुर्गों के घर पहुंचेगा, जहां उनकी स्वास्थ्य जांच की जाएगी। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से ऑनलाइन परामर्श लिया जाएगा और उसी आधार पर इलाज और देखभाल घर पर ही शुरू की जाएगी। इससे बुजुर्गों को अस्पतालों की भीड़, लंबा इंतजार और सफर की परेशानी से राहत मिलेगी।

इन 6 जिलों में शुरू हुआ पायलट प्रोजेक्ट- यह योजना पहले चरण में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में इन 6 जिलों में लागू की जा रही है भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और रीवा। इन जिलों में ऐसे बुजुर्गों की पहचान की जा रही है जो नियमित स्वास्थ्य देखभाल के बावजूद अस्पताल नहीं जा पाते। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में 1 लाख से अधिक बुजुर्ग ऐसे हैं जिन्हें नियमित इलाज की जरूरत है, लेकिन वे स्वास्थ्य केंद्रों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

HOPE ऐप से आसान होगी पूरी प्रक्रिया- इस योजना की सबसे अहम कड़ी है HOPE ऐप, जिसके माध्यम से पूरी प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया गया है। इस ऐप के जरिए बुजुर्गों का पंजीकरण किया जाएगा, उनका स्वास्थ्य रिकॉर्ड सुरक्षित किया जाएगा, घर पर दिए गए इलाज की जानकारी अपडेट होगी, डॉक्टरों से ऑनलाइन परामर्श जोड़ा जाएगा। अब तक सैकड़ों बुजुर्गों की प्रारंभिक स्क्रीनिंग हो चुकी है। आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर सर्वे कर रही हैं और जरूरतमंद बुजुर्गों का डेटा HOPE ऐप में दर्ज किया जा रहा है।

बुजुर्गों और परिवारों को बड़ी राहत- यह योजना न केवल बुजुर्गों के लिए राहत लेकर आएगी, बल्कि उनके परिवारों को भी अस्पताल ले जाने की चिंता से मुक्त करेगी। सफल होने पर इस पायलट प्रोजेक्ट को पूरे प्रदेश में लागू करने की तैयारी की जा रही है।

मऊगंज में 15 वर्षीय आदिवासी छात्रा से गैंगरेप: एक गिरफ्तार अन्य तीन की तलाश जारी

● जबरन शराब पिलाकर दोस्त और उसके साथियों ने बेसुध हालत में किया दुष्कर्म

मऊगंज। मऊगंज जिले से मानवता को शर्मसार करने वाली एक खबर सामने आई है। किशोरी एवं मां के शिकायत के अनुसार यहाँ एक 15 वर्षीय आदिवासी नाबालिग छात्रा के साथ चार युवकों द्वारा दरिंदगी की वारदात को अंजाम दिया गया। आरोपियों ने पहले किशोरी को बहला-फूसलाकर सुनसान इलाके में ले गए, जहाँ उसे जबरन शराब पिलाई गई और फिर बेसुध हालत में उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट सहित भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस की सक्रियता के बाद भी अपराधी किस कदर बेलगाम हो गए इसकी बानगी मऊगंज में देखने को मिली। 05 फरवरी की दोपहर जब एक कक्षा 8वीं में पढ़ने वाली 15 वर्षीय छात्रा अपनी सहेली के साथ निकली थी, तब उसे क्या पता था कि उसके अपने ही पहचान वाले उसके साथ विश्वासघात करेंगे। परिजनों द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता का आरोपी दोस्त अपने तीन अन्य साथियों के साथ उसे और उसकी सहेली को मोटर साइकिल पर बैठाकर मऊगंज शहर से करीब 8 किलोमीटर दूर निविहा क्रेशर प्लांट के पास ले गया। वहाँ आरोपियों ने नाबालिग को जबरन शराब पिलाई। सहेली के विरोध करने पर उसे वापस घर छोड़ दिया गया, लेकिन पीड़िता को वहीं बंधक बनाकर रखा गया।मां की शिकायत के अनुसार मामला छेड़खानी का लग रहा था, लेकिन घटना के कई घंटों बाद जब पीड़िता नशे से बाहर आई और अस्पताल से अगले दिन थाना पहुंची , तो उसने अपनी आपबीती सुनाई। किशोरी के बयान के अनुसार, आरोपी और उनके साथियों ने नशे की हालत में उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। घटना की पुष्टि होते ही पुलिस ने मामले में धारा 65(2) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की सख्त धाराएं बढ़ा दी हैं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जबकि तीन अन्य आरोपी अब भी फरार हैं। पीड़िता को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल रीवा भेजा गया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

चांदी के कड़ों के लिए बुजुर्ग महिला की पैर काटकर नृशंस हत्या

एक आरोपी को उम्रकैद, दूसरा अब भी फरार

ग्वालियर। पैरों में पहने चांदी के कड़ों के लिए 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला की दोनों टांगें काटकर की गई निर्मम हत्या के मामले में अदालत ने मुख्य आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। यह दिल दहला देने वाली वारदात वर्ष 2019 की है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया था। मामले में शामिल दूसरा आरोपी अब तक फरार है, जिसे कोर्ट ने फरार घोषित कर दिया है।

घर में सो रही बुजुर्ग महिला पर किया गया था हमला- ह सनसनीखेज घटना 12 सितंबर 2019 को ग्वालियर के बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में सामने आई थी। 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला जग्गो बाई अपने घर में रात के समय सो रही थीं।

इसी दौरान आरोपी भूरा उर्फ काले खां और उसका साथी जमाल घर में घुसे और महिला पर हमला कर दिया।

चांदी के कड़ों के लिए काट दिए दोनों पैर

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों की नीयत बुजुर्ग महिला के पैरों में पहने चांदी के कड़ों को लूटने की थी। इसी लालच में आरोपियों ने अत्यंत क्रूरता दिखाते हुए महिला के दोनों पैर काट दिए और चांदी के कड़े लूटकर फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल जग्गो बाई की मौके पर ही तड़प-तड़प कर मौत हो गई।

अगले दिन दर्ज हुई एफआईआर, मुख्य आरोपी गिरफ्तार- घटना के अगले दिन 13 सितंबर 2019 को बहोड़ापुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। विवेचना के दौरान पुलिस ने 1 अक्टूबर 2019 को मुख्य आरोपी भूरा उर्फ काले खां को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उसका साथी जमाल तभी से फरार है।

सैलाना में स्वच्छता पर सवाल: 7000 डस्टबिन खरीदे, लेकिन अब तक नहीं हुआ वितरण, विधायक कमलेश्वर डोडियार ने कलेक्टर से की शिकायत

सैलाना। नगर में गीले और सूखे कचरे के पृथकीकरण के लिए खरीदे गए करीब 7 हजार डस्टबीनों का अब तक वितरण नहीं किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर नगर परिषद सैलाना के सीएमओ एवं अध्यक्ष पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं और तत्काल वितरण की मांग की है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की तैयारी पर असर- विधायक डोडियार ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत 'सैलाना को नंबर वन बनाने' के उद्देश्य से नगर परिषद में स्वच्छता विभाग के कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में यह तथ्य सामने आया कि नगर में घर-घर कचरा संग्रहण के दौरान गीले और सूखे कचरे का पूर्ण पृथक्करण नहीं हो पा रहा है। वार्डवासियों से मिली जानकारी के अनुसार, पूर्व में वितरित किए गए हरे और नीले डस्टबीन अब टूट-फूट के कारण अनुपयोगी हो चुके हैं। इसके चलते कचरा संग्रहण के दौरान कचरा सड़कों पर गिर रहा है और नगर में गंदगी फैल रही है।

7000 नए डस्टबिन खरीदे, फिर भी नहीं बांटे- समस्या के समाधान के लिए नगर परिषद स्तर पर पूरे नगर में घर-घर गीला एवं सूखा कचरा पृथक्करण हेतु करीब 7 हजार नए डस्टबिन खरीदने का निर्णय लिया गया था। इसके साथ ही होटल व्यवसायियों को भी एक-एक बड़ा डस्टबिन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए थे, ताकि होटल क्षेत्रों में फैलने वाली गंदगी पर नियंत्रण किया जा सके। विधायक डोडियार ने पत्र में नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि डस्टबिन खरीदे जाने के बावजूद नगर परिषद सैलाना के सीएमओ एवं अध्यक्ष द्वारा अब तक उन्हें जानबूझकर आम नागरिकों को वितरित नहीं किया गया, जिससे नगर की स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है और स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियां भी बाधित हो रही हैं।

जांच और कार्रवाई की मांग- विधायक ने जिला कलेक्टर से अनुरोध किया है कि नगर परिषद सैलाना को तत्काल 7 हजार डस्टबिन घर-घर वितरित करने के निर्देश दिए जाएं तथा वितरण में हो रही अनावश्यक देरी के कारणों की जांच कर लापरवाह अधिकारियों एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध प्रशासनिक कार्रवाई की जाए।

दमोह में सामाजिक बदलाव की मिसाल: हाथ में संविधान लेकर घोड़ी पर सवार हुआ दलित दूल्हा, गांव में निकली बारात

दमोह। दमोह जिले से सामाजिक समानता और संवैधानिक अधिकारों का एक अनोखा और प्रेरणादायक दृश्य सामने आया है। यहां एक दलित दूल्हा हाथ में भारत का संविधान लेकर घोड़ी पर सवार होकर पूरे गांव में बारात लेकर निकला। यह दृश्य न सिर्फ लोगों के लिए कौतूहल का विषय बना, बल्कि वर्षों से चली आ रही सामाजिक रूढ़ियों को चुनौती देने वाला भी साबित हुआ।

दशकों पुरानी परंपरा को तोड़ने की पहल- मामला दमोह जिले के हटा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुआंखेड़ा महदेला गांव का है। गांव में लंबे समय से यह परंपरा चली आ रही थी कि दलित वर्ग के लोग शादी के दौरान घोड़ी पर सवार होकर बारात नहीं निकाल सकते। इस सामाजिक बंधन को तोड़ने का निर्णय गांव के युवक नंदू बंसल ने लिया। नंदू की इच्छा थी कि वह भी अन्य समाजों की तरह घोड़ी पर सवार होकर बारात निकाले।

परिजनों ने प्रशासन से मांगी सुरक्षा- परंपरा को लेकर संभावित विवाद की आशंका को देखते हुए नंदू के परिजनों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर दूल्हे को घोड़ी पर बैठाने के लिए सुरक्षा की मांग की। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया। कलेक्टर और एसपी के निर्देश पर तहसीलदार के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम गांव पहुंची और सभी समाजों के लोगों से संवाद किया।

गांव के लोगों ने किया समर्थन- प्रशासनिक जांच के दौरान गांव के अन्य समाजों के लोगों ने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी जाति के व्यक्ति को घोड़ी पर सवार होकर बारात निकालने से कोई रोक नहीं है। किसी ने भी आपत्ति नहीं जताई, जिससे प्रशासन और परिवार दोनों ने राहत की सांस ली।

पुलिस सुरक्षा में निकली बारात- 5 फरवरी को नंदू बंसल की बारात पुलिस और प्रशासन की मौजूदगी में निकाली गई। एहतियात के तौर पर गांव में पुलिस बल तैनात रहा। बैंड-बाजे और डीजे की धुन पर बारात निकली, लेकिन सबसे अलग और प्रतीकात्मक दृश्य वह था, जब घोड़ी पर बैठे दूल्हे के हाथ में भारत के संविधान की प्रति थी।

संविधान बना समानता का प्रतीक- दलित समाज के लोगों का कहना है कि आज़ादी के बाद यह पहला मौका है जब उनके समाज का कोई दूल्हा घोड़ी पर सवार होकर गांव में बारात निकाल सका। उनके अनुसार यह सब संविधान में दिए गए समानता और अधिकारों की बदौलत संभव हो पाया। संविधान को हाथ में लेकर निकलना इस बात का प्रतीक था कि समाज में बदलाव का रास्ता कानून और समानता से होकर जाता है।

प्रशासन का बयान- तहसीलदार उमेश तिवारी ने बताया कि परंपरा के नाम पर चली आ रही यह बात सिर्फ एक मिथक थी। किसी भी समाज ने विरोध नहीं किया, बारात शांतिपूर्ण ढंग से निकली और विवाह संपन्न हुआ।

रूढ़िवादी सोच को तोड़ने की दिशा में कदम- यह पहल न सिर्फ एक व्यक्ति की व्यक्तिगत खुशी का विषय रही, बल्कि समाज में फैली पुरानी और भेदभावपूर्ण सोच को बदलने का संदेश भी दे गई। संविधान में निहित समानता के अधिकार को आत्मसात करते हुए यह घटना सामाजिक समरसता और भाईचारे की मिसाल बन गई।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर पाती

इंदौर, शनिवार 07 फरवरी , 2026

देर रात तक तेज डीजे बजाने पर केस दर्ज

इंदौर। संयोगितागंज पुलिस ने शादी समारोह में तय समय के बाद तेज आवाज में डीजे साउंड बजाने पर कार्रवाई करते हुए प्रेम इलेक्ट्रिकल साउंड के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार देर रात करीब 2:03 बजे ओल्ड एबी रोड स्थित जीपीओ स्क्वेयर, उषागंज छावनी क्षेत्र में तेज आवाज से डीजे बजाया जा रहा था, जिससे आसपास के लोगों को भारी शोर से परेशानी हो रही थी और जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई थी।

दहेज के लिए सताया, पति सहित तीन पर केस

इंदौर। तुकोगंज पुलिस ने दहेज के लिए सताने वाले ससुराल पक्ष के तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक फरियादी प्रिया पवार की शिकायत पर उसके पति राजकुमार, ससुर विजय और सास अनिता निवासी गोमा की फेल के खिलाफ केस दर्ज किया गया। आरोपियों द्वारा फरियादी महिला को लगातार शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, आरोपी की तलाश जारी

इंदौर। एक युवती से दोस्ती के बाद आरोपी ने उससे प्यार का नाटक किया और फिर शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा। जब युवती ने शादी का दबाव बनाया तो वह टालता रहा और एक दिन फरार हो गया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। तुकोगंज पुलिस ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी विशाल धनगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पुलिस के अनुसार दोनों एक-दूसरे को करीब चार साल से जानते थे। वर्ष 2022 में आरोपी 56 दुकान क्षेत्र में काम करता था, जहां पीड़िता की भी दुकान है। पहचान बढ़ने के बाद आरोपी ने युवती को प्रेम संबंध में फंसाया और घंटाघर के पास बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता के मुताबिक आरोपी अगस्त 2022 में उसे अपने साथ ले गया और कई बार शारीरिक संबंध बनाए। जब भी वह शादी की बात करती, आरोपी टालता रहा और बाद में शादी करने का आश्वासन देता रहा। पीड़िता ने पहले पुलिस में शिकायत की थी, जिस पर आरोपी ने थाने में शपथ पत्र देकर सात दिन में शादी करने का वादा किया था। इसके बाद आरोपी फरार हो गया। परेशान होकर युवती गुरुवार को फिर थाने पहुंची और दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज कराई। मामले में पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है, जल्दी ही उसे गिरफ्त में लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खुले तारों ने ली युवक की जान मकान मालिक पर केस

इंदौर। मकान मालिक लापरवाही का खामियाजा एक 18 वर्षीय युवक को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। मकान की गैलरी में खुले और झूलते बिजली के तारों की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए मकान मालिक के खिलाफ लापरवाही से मौत का प्रकरण दर्ज किया है। भंवरकुआ पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान उमंग चौधरी (18) के रूप में हुई है। उमंग मूल रूप से ग्राम घाटली, इटारसी का रहने वाला था और वर्तमान में भंवरकुआं क्षेत्र की अहिल्यापुरी इंद्रपुरी कॉलोनी में रह रहा था। घटना 23 जनवरी की बताई जा रही है। उस दिन उमंग मकान की गैलरी में खड़ा था तभी वहां से गुजर रहे हाई वोल्टेज खुले बिजली के तारों की चपेट में आ गया। करंट का झटका इतना तेज था कि वह संभल भी नहीं पाया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने पूरे मामले की जांच की। जांच में सामने आया कि मकान मालिक अखिलेश हार्डिया ने गैलरी के बेहद पास से गुजर रहे बिजली के तारों को सुरक्षित करने के लिए कोई इंतजाम नहीं किए थे। न तो तारों को कवर किया गया था और न ही उन्हें सुरक्षित दूरी पर ले जाया गया। पुलिस का कहना है कि यदि समय रहते सुरक्षा मानकों का पालन किया जाता तो यह हादसा टल सकता था। भंवरकुआं पुलिस ने मकान मालिक अखिलेश हार्डिया के खिलाफ लापरवाही से हुई मौत की धाराओं में केस दर्ज किया है।

पिकअप ने ली मजदूर की जान, भाई गंभीर

इंदौर। देपालपुर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने बाइक सवार दो भाइयों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बड़े भाई की इलाज के दौरान एमवाय अस्पताल में मौत हो गई, जबकि छोटा भाई गंभीर रूप से घायल है। दोनों भाई मजदूरी के सिलसिले में झाबुआ से देपालपुर आए थे। मृतक की पहचान राधेश्याम पिता मोतीलाल (30) निवासी ग्राम सतनवदा जिला झाबुआ के रूप में हुई है। राधेश्याम अपने छोटे भाई महेश के साथ देपालपुर क्षेत्र में एक किसान के खेत पर लहसुन निकालने का काम करने आया था। करीब 5 दिन पहले, जब दोनों भाई काम खत्म कर बाइक से बाजार का सामान लेने जा रहे थे, तभी सामने से आ रही एक अनियंत्रित पिकअप ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।परिजनों ने बताया कि राधेश्याम और महेश करीब 10 दिन पहले भी काम करने आए थे और फिर वापस गांव चले गए थे। कुछ दिन पहले ही वे दोबारा लौटे थे और खेत के पास ही झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों भाई सडक पर काफी दूर तक घिसटते चले गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद ग्रामीणों की मदद से दोनों को इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां राधेश्याम की स्थिति नाजुक बनी हुई थी और आखिरकार इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घायल महेश का उपचार अभी जारी है।

रेलवे ट्रैक के पास मिला शव

इंदौर। राऊ थाना क्षेत्र में आज सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब रेलवे ट्रैक के पास एक युवक का क्षत-विक्षत हालत में शव बरामद किया गया। युवक किसी ट्रेन की चपेट में आ गया होगा। पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस यह जांच कर रही है कि मामला हादसे का है या फिर आत्महत्या का। इधर, देपालपुर क्षेत्र में भी एक सडक हादसा सामने आया है। यहां पिकअप वाहन की लापरवाही से एक युवक की जान चली गई। राधेश्याम पिता मोतीलाल, को तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

दूषित पानी से 33वीं मौत, पत्नी के बाद पति की भी गई जान; बेटे का दावा- कोई बीमारी नहीं थी

इंदौर। भगीरथपुरा इलाके में दूषित पेयजल से जुड़ी मौतों का आंकड़ा बढ़कर 33 हो गया है। 70 वर्षीय अलगूराम यादव की मौत के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। परिजनों का कहना है कि अलगूराम को पहले से कोई गंभीर बीमारी नहीं थी और वे पूरी तरह स्वस्थ थे। अलगूराम यादव को 9 जनवरी को सांस लेने में तकलीफ के बाद अरविंदो अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इससे करीब एक महीने पहले उनकी पत्नी की भी उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद अस्पताल में इलाज के दौरान जान चली गई थी। परिवार का आरोप है कि दोनों की तबीयत खराब होने की वजह इलाके में सप्लाई हो रहा दूषित पानी था।

इलाज के दौरान दम तोड़ा- मृतक के बेटे का कहना है कि पिता को उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर अस्पताल ले जाया गया था। डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका। परिजनों ने साफ कहा कि अलगूराम को पहले से कोई पुरानी या गंभीर बीमारी नहीं थी।उल्टी-दस्त के चलते कई मौतें इससे पहले 65 वर्षीय अनीता कुशवाहा की भी मौत हो चुकी है। अनीता को उल्टी-दस्त की गंभीर शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। अनीता के बेटे ने भी बताया था कि उनकी मां को पहले से कोई बीमारी नहीं थी, लेकिन इलाज के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका।

400 से ज्यादा लोग हो चुके हैं बीमार- दूषित पानी के चलते भगीरथपुरा इलाके में 400 से अधिक लोग बीमार हुए थे, जिनमें से अधिकांश इलाज के बाद घर लौट चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिलहाल तीन मरीज अब भी अस्पताल में भर्ती हैं और उनका इलाज जारी हैमामले की जांच के लिए कमीशन गठित भगीरथपुरा मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने एक पूर्व हाई कोर्ट जज की अध्यक्षता में जांच आयोग गठित करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि मामले की जांच एक स्वतंत्र और भरोसेमंद अथॉरिटी से कराई जानी चाहिए। आयोग को जांच शुरू होने की तारीख से चार सप्ताह के भीतर अंतरिम रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।यह आदेश जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी की डिवीजन बेंच ने 27 जनवरी 2026 को पारित किया। कोर्ट भगीरथपुरा में खराब पानी पीने से हुई मौतों को लेकर एक साथ दायर कई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था।सरकार की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा राज्य सरकार ने हाई कोर्ट को बताया कि भगीरथपुरा इलाके में फैली गैस्ट्रोएंटेराइटिस बीमारी के चलते अब तक कई मौतें हुई हैं। सरकार ने शहर के महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज के पांच विशेषज्ञों की समिति द्वारा तैयार ऑडिट रिपोर्ट पेश की, जिसमें कहा गया है कि 23 मौतों में से 16 मौतें दूषित पेयजल से जुड़ी उल्टी-दस्त की बीमारी के कारण हो सकती हैं।रिपोर्ट के मुताबिक चार लोगों की मौत बीमारी से जुड़ी नहीं पाई गई, जबकि तीन अन्य मामलों में मौत के कारण को लेकर कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकाला जा सका।

आदर्श रोड मल्टीलेवल पार्किंग का महापौर ने किया निरीक्षण, अप्रैल तक शुरू होगी पार्किंग सुविधा

इंदौर। शहर में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने और पार्किंग व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में नगर निगम तेजी से कदम बढ़ा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पलासिया स्थित आदर्श रोड पर निर्माणाधीन मल्टीलेवल पार्किंग परियोजना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य राजेश उदावत, राकेश जैन, पार्षद पुष्पेंद्र पाटीदार, नगर निगम आयुक्त अभय राजांगांवकर समेत संबंधित एजेंसी के अधिकारी मौजूद रहे।

अप्रैल तक पार्किंग शुरू करने का लक्ष्य- महापौर भार्गव ने बताया कि इंदौर में यातायात को सुगम बनाने के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थान उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा सुभाष नगर मल्टीलेवल पार्किंग शुरू हो चुकी है। आदर्श रोड पर बीओटी आधार पर जो मल्टीलेवल पार्किंग तैयार हो रही है, उसे अप्रैल तक शुरू करने का लक्ष्य है। इससे आदेश रोड और ग्रेटर कैलाश क्षेत्र में ट्रैफिक का दबाव काफी कम होगा।

150 कारों और उतनी ही दोपहिया वाहनों की क्षमता- महापौर ने जानकारी दी कि निर्माणाधीन पार्किंग में 150 कार और लगभग 150 दोपहिया वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था होगी। शुल्क नगर निगम के निर्धारित दरों के अनुसार रहेगा। उन्होंने स्वीकार किया कि निर्माण की रफ्तार कुछ धीमी है, लेकिन निगम ने हाल ही में विभिन्न पार्किंग स्थलों पर काम में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

जागरूकता और कड़ी कार्रवाई होगी- महापौर ने कहा कि लोगों को निर्धारित पार्किंग का उपयोग करने के लिए जागरूक किया जाएगा। अगर लोग निर्धारित पार्किंग में वाहन नहीं खड़ा करेंगे, तो उनके चालान भी बनाए जाएंगे। शहर की यातायात व्यवस्था सुधारना प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस मल्टीलेवल पार्किंग के शुरू होने से क्षेत्र के नागरिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। और स्थानीय नागरिक भी इसका लाभ लेंगे।

इंदौर में रेपिडो चालक की दरिंदगी के बाद आरटीओ की बड़ी कार्रवाई, खुद राइड बुक कर 12 बाइक जब्त

इंदौर। इंदौर में रेपिडो बाइक चालक द्वारा नाबालिग युवती से दुष्कर्म की गंभीर घटना के बाद परिवहन विभाग ने सख्त और अनोखी कार्रवाई करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वाले रेपिडो चालकों पर शिकंजा कसा है। आरटीओ विभाग ने खुद रेपिडो ऐप के जरिए राइड बुक कर 12 बाइक चालकों को कार्यालय बुलाया और मौके पर ही सभी वाहनों को जब्त कर लिया।

डोमेस्टिक वाहनों से हो रहा था अवैध व्यावसायिक संचालन- जांच में सामने आया है कि रेपिडो बाइक चालक कमर्शियल वाहन के बजाय डोमेस्टिक (घरेलू) रजिस्ट्रेशन वाली बाइकों से सवारी ढो रहे थे। जबकि केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार बाइक टैक्सी सेवा के लिए वाहन का कमर्शियल रजिस्ट्रेशन, चालक के पास कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन का कमर्शियल बीमा होना अनिवार्य है।

आरटीओ ने खुद बुक की राइड, 12 चालक पहुंचे कार्यालय- रावजी बाजार क्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना के बाद आरटीओ विभाग हरकत में आया। विभाग के कर्मचारियों ने रेपिडो ऐप के माध्यम से राइड बुक की, जिसके बाद 12 बाइक चालक आरटीओ कार्यालय पहुंचे। जांच में सभी बाइकों का रजिस्ट्रेशन, बीमा और लाइसेंस घरेलू श्रेणी का पाया गया, जिस पर सभी वाहनों को जब्त कर चालानी कार्रवाई की गई।

कंपनी पर नियमों की अनदेखी और बिना पुलिस वेरिफिकेशन ड्राइवर रखने का आरोप- एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने बताया कि रेपिडो, ओला और उबर जैसी कंपनियां केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का सही तरीके से पालन नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि रेपिडो कंपनी द्वारा ड्राइवरों का पुलिस वेरिफिकेशन किए बिना, केवल अधिक इंसेंटिव का लालच देकर युवाओं को ड्राइवर बनाया जा रहा है, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर मामला है।

रेपिडो कंपनी का कार्यालय बंद, संचालक लापता- आरटीओ की कार्रवाई के बाद रेपिडो कंपनी के संचालक कार्यालय बंद कर लापता बताए जा रहे हैं। विभाग द्वारा उनसे संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आगे और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जेल के भीतर का वीडियो वायरल होने से हड़कंप, साइबर सेल ने शुरू की जांच

इंदौर। सोशल मीडिया पर इन दिनों जेल के भीतर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे लेकर पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। वीडियो सामने आने के बाद साइबर क्राइम शाखा ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि वीडियो कहां का है, किसने बनाया और किस सोशल मीडिया अकाउंट से इसे वायरल किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साइबर सेल की टीमें लगातार निगरानी रख रही हैं। जेल जैसे संवेदनशील स्थानों से जुड़े वीडियो यदि नियमों के उल्लंघन या भय का माहौल पैदा करने वाले हों, तो उन पर तत्काल कार्रवाई की जाती है।

वायरल वीडियो को लेकर एक आईडी जांच के दायरे में- पुलिस का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से जेल से जुड़ा यह वीडियो विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रहा था। जांच के दौरान एक सोशल मीडिया आईडी को चिन्हित किया गया है, जिसे फिलहाल जांच के दायरे में लिया गया है। वीडियो की सत्यता, उसके स्रोत और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है।

जल्द हो सकती है कार्रवाई- साइबर क्राइम टीम का दावा है कि जांच पूरी होने के बाद संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि किसी भी आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाले वीडियो को साझा न करें, अन्यथा उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

जहां मचाया हंगामा, वहीं निकाला जुलूस

इंदौर। शांति भंग कर दहशत फैलाने वाले बदमाशों को पुलिस ने सबक सिखाया। शराब के नशे में उपद्रव और पथराव करने वाले आरोपियों को न सिर्फ गिरफ्तार किया गया, बल्कि पुलिस उन्हें उसी जगह लेकर पहुंची, जहां उन्होंने हंगामा मचाया था। वहीं सार्वजनिक रूप से उनसे माफी मंगवाई गई। गत 4 फरवरी की रात्रि को चंदन नगर थाना क्षेत्र में पीली बिल्डिंग के पास केशव नगर क्षेत्र में कुछ बदमाशों ने शराब के नशे में जमकर हंगामा किया था। आरोपियों ने पीली मल्टी डायमंड कॉलोनी में पथराव किया और पुलिस बैरिकेड्स के साथ तोडफोड़ करते हुए उपद्रव मचाया था। इस घटना से क्षेत्र के नागरिकों में असुरक्षा का माहौल पैदा हो गया था।घटना की गंभीरता को देखते हुए चंदन नगर थाना प्रभारी तिलक करोले ने पुलिस टीम के साथ क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज के आधार पर घेराबंदी कर पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान कृष्ण उर्फ कान्हा पिता जयराम सोनगरा निवासी बजरंग नगर सिरपुर और रूपेश पिता सतीश विश्वकर्मा निवासी डायमंड पैलेस के रूप में हुई है।गिरफ्तारी के बाद पुलिस दोनों आरोपियों को उस स्थान पर लेकर पहुँची जहाँ उन्होंने उपद्रव किया था। वहां पुलिस की मौजूदगी में आरोपियों ने कान पकडकर अपनी गलती स्वीकार की और आम जनता से भविष्य में ऐसी हरकत न करने की माफी मांगी। बदमाशों को इस तरह घुटनों पर देख मोहल्ले के लोगों का डर खत्म हुआ और उन्होंने पुलिस टीम की इस कार्रवाई की जमकर प्रशंसा की।

ड्रग्स सप्लाई करने आए दो तस्कर धराए, मंदसौर से लेकर आए थे नशा

इंदौर। क्राइम ब्रांच पुलिस ने एमआर-10 क्षेत्र से दो शातिर ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर आरोपियों के पास से करीब 1 लाख 40 हजार रुपए कीमत की 14.06 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक टीम एमआर-10 ब्रिज के नीचे आइएसबीटी बस स्टैंड के पास संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। इसी दौरान सडक किनारे एक काली रंग की बिना नंबर की होंडा टू-व्हीलर के पास दो युवक खड़े दिखाई दिए। पुलिस वाहन देखते ही दोनों घबरा गए और वहां से निकलने की कोशिश करने लगे। संदेह होने पर टीम ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम धीरपसिंह तंवर और लालसिंह चौहान बताया। दोनों मंदसौर जिले के रहने वाले हैं। जब पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो सीट के नीचे बने हिस्से में बड़ी चालाकी से छिपाकर रखी गई 14.06 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई।

पेशे से किसान हैं आरोपी- पुलिस के अनुसार आरोपी धीरप (8वीं पास) और लाल (7वीं पास) पेशे से खेती-बाड़ी करते हैं। शुरूआती पूछताछ में उन्होंने कबूल किया कि ज्यादा मुनाफे के लालच में वे नशा तस्करी में उतर गए। पुलिस उनसे पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि वह यह नशा कहां से लेकर आए थे, शहर में किन्हें देने वाले वाले थे।

जमीन के सौदे में 29 लाख की धोखाधड़ी

खुद को मालिक बताकर कराया सौदा, पूरी रकम लेने के बाद नहीं कराई रजिस्ट्री

इंदौर। जमीन सौदों में ठगी का मामला सामने आया है। अग्रवाल नगर निवासी अरुण बंसल से 29 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के आरोप में केस दर्ज किया है। आरोप है कि पहले से निरस्त हो चुके एग्रीमेंट के बावजूद आरोपियों ने खुद को जमीन का मालिक बताकर सौदा किया और रकम वसूल ली, लेकिन रजिस्ट्री नहीं कराई। फरियादी अरुण बंसल पिता प्रेमनारायण बंसल ने पुलिस को बताया कि उन्होंने रोशनी वर्मा और राजेश वर्मा से एक जमीन का सौदा तय किया था। आरोपियों ने बताया कि उक्त जमीन शिवनगर निवासी संतोष केलवा से ली गई है और उनके पास वैध एग्रीमेंट मौजूद है। इस भरोसे पर फरियादी ने सौदे की प्रक्रिया आगे बढ़ाई। शुरूआत में सौदा चिट्ठी के तहत अरुण बंसल ने रोशनी वर्मा को 5 लाख रुपए का बयाना चेक के माध्यम से दिया। इसके बाद आरोपियों ने बताया कि जमीन उनके करीबी संतोष केलवा की है और उसी से रजिस्ट्री कराई जाएगी। फरियादी की संतोष केलवा से मुलाकात भी कराई गई, जहां संतोष ने आश्वासन दिया कि उसने जमीन रोशनी वर्मा को बेच दी है और वह जिस किसी के नाम कहेंगी, रजिस्ट्री कर देगा। इस भरोसे पर अरुण बंसल ने जमीन के एवज में कुल 25 लाख रुपए और दिए। इस तरह बयाना सहित कुल 29 लाख रुपए का भुगतान हो गया, लेकिन इसके बाद भी रजिस्ट्री नहीं कराई गई। जब लंबे समय तक रजिस्ट्री नहीं हुई तो फरियादी ने सीधे जमीन मालिक बताए जा रहे संतोष केलवा से संपर्क किया। तब चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि रोशनी वर्मा और संतोष केलवा के बीच किया गया एग्रीमेंट तय समय में शर्तें पूरी न होने के कारण पहले ही स्वतः समाप्त हो चुका था। यानी जिस एग्रीमेंट के आधार पर सौदा किया गया वह वैध ही नहीं था। इसके बावजूद आरोपियों ने खुद को जमीन का मालिक बताकर सौदा किया और रकम वसूल ली। पुलिस के मुताबिक यह पूरा मामला आपसी मिलीभगत और आपराधिक षड्यंत्र का है। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने रोशनी वर्मा, राजेश वर्मा और संतोष केलवा के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक षड्यंत्र की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि लेन-देन, एग्रीमेंट और रजिस्ट्री से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शनिवार 07 फरवरी , 2026

160 लीटर हाथ भट्टी मदिरा व 1550 किलो महुआ लहान नष्ट, 14 प्रकरण दर्ज

इंदौर। कलेक्टर जिला इंदौर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार आबकारी विभाग इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध सघन कार्रवाई की गई। नियंत्रण कक्ष प्रभारी देवेश चतुर्वेदी एवं उप प्रभारी मनोज अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी गणपत सिंह धुंध के निर्देशन में यह अभियान चलाया गया।

महू क्षेत्र में 16 स्थानों पर दबिश- आबकारी उप निरीक्षक कृतिका द्विवेदी के नेतृत्व में जिला आबकारी स्टाफ द्वारा वृत्त महू 'अ' अंतर्गत सिमरोल, चिकली जोशीगुरड़िया, पठान पिपलिया, तलाई नाका, बगोदा सहित अन्य क्षेत्रों में दबिश दी गई। इस दौरान कुल 16 छापे मारे गए।कार्रवाई के दौरान आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क एवं 34(फ) के तहत कुल 14 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। टीम ने 160 लीटर हाथ भट्टी मदिरा तथा 1550 किलोग्राम महुआ लहान जब्त कर सैंपल लेकर मौके पर ही नष्ट किया। जब्त की गई मदिरा, महुआ लहान एवं अन्य सामग्री का कुल अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1 लाख 83 हजार रुपये बताया गया है।

ऑनलाइन फ्रॉड- खाते से उड़ाए 2.84 लाख रुपए

● क्यूआर कोड का दिया झांसा, मोबाइल पर भेजा कोड

इंदौर। महू थाना क्षेत्र में ऑनलाइन फ्रॉड का मामला सामने आया है। क्यूआर कोड स्कैन कराने के बहाने एक युवक के बैंक खाते से 2 लाख 84 हजार 260 रुपए उड़ा लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक खान कॉलोनी, महू निवासी 20 वर्षीय शेख मोहम्मद साजिद के साथ यह वारदात 21 जनवरी की दोपहर हुई। साजिद को अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल पर संपर्क किया और किसी प्रक्रिया को पूरा करने के बहाने एक क्यूआर कोड भेजा। आरोपी ने भरोसे में लेकर पीड़ित से कहा कि कोड स्कैन करते ही काम हो जाएगा। जैसे ही साजिद ने अपने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर आगे की प्रक्रिया पूरी की, उसके यूपीआइ से जुड़े बैंक खाते से एक के बाद एक ट्रांजेक्शन हो गए। कुछ ही पलों में खाते से कुल 2,84,260 रुपए कट गए।

मैसेज आए तो पता चला- रकम उड़ते ही साजिद के मोबाइल पर मैसेज आने लगे तब जाकर उसे ठगी का अहसास हुआ। घटना के बाद पीड़ित ने तत्काल महू थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

प्रताड़ना से तंग आकर महिला ने की आत्महत्या

● नवविवाहिता सुसाइड केस में पति-सास पर केस

इंदौर। विजयनगर थाना क्षेत्र के कल्प कामधेनु नगर में पिछले वर्ष हुई नवविवाहिता की आत्महत्या के मामले में अब ससुराल पक्ष की मुश्किलें बढ़ गई हैं। एसीपी स्तर की जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने मृतका के पति और सास के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और दहेज प्रताड़ना की धाराओं में केस दर्ज किया है। जांच में सामने आया कि 20 वर्षीय महिला लगातार शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना झेल रही थी। घटना 16 अप्रैल की है। कल्प कामधेनु नगर निवासी मोनिका (20) पति रितेश ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामला नवविवाहिता की मौत से जुड़ा होने के कारण नियमानुसार इसकी जांच एसीपी से कराई गई। जांच के दौरान मायके पक्ष के बयान, पारिवारिक हालात और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया गया। पुलिस जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मोनिका की शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल में हालात बिगड़ने लगे थे। पति रितेश और सास राधा छोटी-छोटी बातों पर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि कई बार उसके साथ मारपीट भी की गई। दहेज को लेकर भी ताने दिए जाते थे, जिससे वह लगातार तनाव में रहने लगी थी। पुलिस का कहना है कि इसी प्रताड़ना से तंग आकर मोनिका ने आत्मघाती कदम उठाया। विजयनगर थाना पुलिस ने एसीपी की रिपोर्ट के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले में अब आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं और अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं।

इंदौर केंद्रीय जेल में अनूठी पहल : गीता प्रवचन का आयोजन किया, ज्ञानानंद जी महाराज ने कैदियों को दिया आत्म - परिवर्तन और संयम का संदेश

इंदौर। इंदौर केंद्रीय जेल में कैदियों के मानसिक सुधार और सकारात्मक बदलाव के उद्देश्य से एक अनूठा आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गीता मनीषी श्री ज्ञानानंद जी महाराज केंद्रीय जेल पहुंचे और भगवद गीता के उपदेशों पर आधारित प्रवचन दिया।

2500 से अधिक कैदियों ने सुना प्रवचन- कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय जेल में निरुद्ध 2500 से अधिक पुरुष एवं महिला कैदियों ने प्रवचन सुना। ज्ञानानंद जी महाराज ने अपने उद्बोधन में पश्चाताप, संयमित जीवन, आत्म-अनुशासन और आत्म-विकास का संदेश देते हुए कहा कि गीता का ज्ञान व्यक्ति को जीवन की दिशा बदलने की प्रेरणा देता है।

भजन और नृत्य से हुआ महाराज का स्वागत- प्रवचन से पूर्व कैदियों द्वारा महाराज श्री के स्वागत में धार्मिक भजनों पर विशेष नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया। कैदियों ने पूरे मनोयोग से प्रवचन सुना और गीता के संदेशों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

प्रदेशभर की जेलों में चल रहा गीता उपदेश अभियान - यह आयोजन डायरेक्टर जनरल जेल वरुण कपूर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर गीता जयंती के उपलक्ष्य में प्रदेशभर में गीता के उपदेशों को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश की सभी जेलों में संतों के प्रवचन कराए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम का प्रदेश की 125 जेलों में लाइव टेलीकास्ट भी किया गया।

सभी धर्मों के आयोजनों को मिलता है समान अवसर- केंद्रीय जेल इंदौर की जेल अधीक्षक अलका सोनकर ने बताया कि जेल में सभी धर्मों के बंदी निरुद्ध हैं, इसलिए समय-समय पर सभी धर्मों से जुड़े धार्मिक और आध्यात्मिक आयोजन कराए जाते हैं, जिससे कैदियों के मानसिक सुधार और सकारात्मक सोच को बढ़ावा मिल सके।

इंदौर प्रेस क्लब में हुआ एनजीओ सेवा सप्ताह के पोस्टर का विमोचन

म.प्र. एनजीओ महासंघ 24 फरवरी से करेगा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

इंदौर। मध्यप्रदेश एनजीओ महासंघ द्वारा 24 फरवरी से एनजीओ सेवा सप्ताह 2026 मनाने जा रहा है। सेवा सप्ताह के दौरान होने वाले कार्यक्रम को लेकर प्रकाशित पोस्टर का विमोचन इंदौर प्रेस क्लब में हुआ। महासंघ के शशि सातपुते ने बताया कि सेवा सप्ताह 24 फरवरी से 7 मार्च तक चलेगा । इसमें 24 फरवरी को निःशुल्क हेल्थ चेकअप शिविर लगाया जाएगा। 25 फरवरी को रोजगार मेला, 27 फरवरी को राजवाड़ा पर 5100 दीपक जलाकर विश्व एनजीओ दिवस मनाया जाएगा, 28 फरवरी को फाग उत्सव रणजीत हनुमान मंदिर के ग्राउंड में मनाएंगे, जिसमें 500 से अधिक ब्लाइंड बच्चे हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे यह वर्ल्ड रिकार्ड अटेम्प्ट होगा। 1 एक मार्च को यूनाइटेड मध्य प्रदेश मैराथन रहेगी, 2 मार्च को ट्रैफिक अवेयरनेस प्रोग्राम में कार-टैक्सी रैली निकाली जाएगी और 7 मार्च को एनजीओ सम्मान समारोह के साथ सेवा सप्ताह का समापन ग्रामीण हाट बाजार ढक्कन वाला कुआ पर होगा। श्री सातपुते ने बताया कि एनजीओ सेवा सप्ताह कार्यक्रम के पोस्टर विमोचन अवसर पर इंदौर प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अरविन्द तिवारी, प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, उपाध्यक्ष प्रियंका पाण्डेय, महासचिव प्रदीप जोशी, वरिष्ठ समाजसेवी अशोक यादव, राजेश बिड़कर, सलीम शेख, राहुल जैन, शालिनी दीदी, श्रेयांश जैन, रविंद्र जाधव, अक्षय मेश्राम, विकास पवार, विजेंद्र ठाकुर, विनय राज सोलर, विष्णुजी, आशीष गुप्ता, विराज भाई, अंश जैन, सूर्योदय स्माल फाइनेंस बैंक के अमन कुमार, ऑरबोसिस ग्लोबल के प्रभात अग्रवाल, मान्धाता के दशरथ राठौड़, राणा भीमसिंह राठौड़, जेएमबी फिल्म प्रोडक्शन देव प्रजापति, चेतन मोहनवानी सहित बड़ी संख्या में मीडिया के साथी और संघ के सदस्य मौजूद थे।

कम्युनिस्ट पार्टी की मांग - प्रदेश के बजट में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें कम करो

इंदौर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने आगामी 18 फरवरी को मध्य प्रदेश विधान सभा में प्रस्तुत होने वाले बजट के सम्बन्ध में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें कम करने और महंगाई रोकने सहित विभिन्न मांगें की हैं। कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि मध्य प्रदेश की जनता पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें सारे देश में सर्वाधिक होने से त्रस्त है। लगातार बढ़ती महंगाई ने आम जनता के जीवन को संकट में डाल दिया है। प्रदेश में विभिन्न विभागों में अनेक पद रिक्त हैं, लेकिन भारी बेरोजगारी होने के बावजूद इन पर नियुक्ति नहीं हो रही है। सरकारी नौकरी में चतुर्थ श्रेणी में नियुक्तियां पूरी तरह बन्द हैं। निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार की शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी कमजोर कर निजी क्षेत्र को संरक्षण दिया जा रहा है। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था ठप्प है। प्रदेश की सरकार जनता को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने हेतु गंभीर नहीं है। सरकार अंधाधुंध कर्ज ले रही है। यह अनुचित है इसे रोकना चाहिए। प्रदेश में विश्व विद्यालयों की हालत खस्ता है। सरकार इन विश्व विद्यालयों को समुचित आर्थिक सहयोग नहीं कर रही है। इसके विपरीत सरकार द्वारा भाजपा के राजनीतिक कार्यों पर अनावश्यक खर्च किया जा रहा है। भारत के संवैधानिक मूल्यों के विपरीत राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का एजेंडा लागू करने के लिए करोड़ों रुपए के सरकारी विज्ञापन जारी किये जा रहे हैं इसकी समीक्षा होना चाहिए। यह सरकारी धन और संसाधनों का दुरुपयोग है इसे भी रोकना चाहिए।

सेंट अर्नाल्ड्स स्कूल में ग्रैंड एलुमनाई मीटअप 2026 आयोजित

अतिथियों द्वारा एलुमनाई पोर्टल का हुआ लाइव लोकार्पण

इंदौर। एक दशक के दीर्घ अंतराल के पश्चात सेंट अर्नाल्ड्स स्कूल में ग्रैंड एलुमनाई मीटअप 2026 का भव्य आयोजन हुआ। इस गरिमामय समारोह में वर्ष 2004 से लेकर 2026 तक के विभिन्न सत्रों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था पूर्व प्राचार्य फादर कैजेटन डी मेलो थे। अपने पढ़ाए हुए छात्रों को वर्षों बाद एक मंच पर एकत्रित देख वे भाव-विभोर हो उठे। समारोह में संस्था के भूतपूर्व शिक्षकों की उपस्थिति ने वातावरण को और अधिक स्मरणीय बना दिया। संस्था सैकड़ों प्रवासी छात्र इसमें लाइव जुड़े। समारोह में एलुमनाई पोर्टल का लोकार्पण प्राचार्य फादर पायस सिरियाक, फादर कैजेटन डी मेलो एवं विद्यालय प्रबंधन के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर सेंट अर्नाल्ड्स एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष विनोद नायर ने नवगठित एलुमनाई समिति का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि एलुमनाई संघ बंधुत्व, सम्मान, शौर्य, सत्यनिष्ठा, समावेशिता, उत्कृष्टता, उत्तरदायित्व, सेवाभाव एवं निरंतरता जैसे उदात्त जीवन मूल्यों पर आधारित है। कार्यक्रम के बौद्धिक सत्र मे, मध्य प्रदेश पुलिस के अधिकारी एवं वर्ष 2007 बैच के पूर्व छात्र चंद्रकांत पटेल ने साइबर सुरक्षा विषय पर अपना उद्बोधन दिया। स्कूल के पूर्व शिक्षकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। संघ के लिए आर्थिक सहयोग करने वाले पूर्व छात्रों का अभिनंदन किया गया। संस्था ने संकल्प लिया कि भविष्य में भी पूर्व छात्रों के लिए नेटवर्किंग कार्यक्रम, परोपकार एवं छात्रों व पेशेवरों के लिए कौशल विकास की पहलों को निरंतर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन के लोग उपस्थित थे।

किताबों से पहले जीवन पढ़ना जरूरी है...

> शिक्षा शब्दों का संचय नहीं, बल्कि चेतना का संस्कार है। जो पढ़ा जाए और जीवन में न उतरे, वह ज्ञान नहीं, केवल सूचना बनकर रह जाता है। मनुष्य का विकास पुस्तकों से कम और अनुभवों से अधिक होता है। इसी गहरे सत्य की अभिव्यक्ति है- 'पहले अपनाओ, बाद में पढ़ाओ।' यह कोई भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि सीखने की स्वाभाविक, वैज्ञानिक और दार्शनिक प्रक्रिया का संक्षिप्त सूत्र है। जब शिक्षा इस सूत्र से जुड़ती है, तब वह परीक्षा-केंद्रित व्यवस्था से निकलकर जीवन-केंद्रित दृष्टि बन जाती है।

रामानुज पाठक

मानव मस्तिष्क जन्म से ही सीखने के लिए तत्पर रहता है। वह पहले देखता है, छूता है, सुनता है, गिरता है, संभलता है और फिर शब्दों को अर्थ देता है। शिशु पुस्तक पढ़कर चलना नहीं सीखता, बल्कि बार-बार गिरकर सीखता है। आधुनिक तंत्रिका-विज्ञान भी यही सिद्ध करता है कि जब सीखना प्रत्यक्ष अनुभव से जुड़ा होता है, तब मस्तिष्क में बनने वाले तंत्रिका-संबंध अधिक गहरे और स्थायी होते हैं। केवल सुनी या रटी गई जानकारी स्मृति में अल्पकालिक होती है, जबकि किया गया कार्य चेतना में स्थायी छाप छोड़ता है।

गहरी दृष्टि से शिक्षा आत्मबोध की प्रक्रिया है। ज्ञान का उद्देश्य केवल बाहरी संसार को समझना नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानना भी है। जो शिक्षा मनुष्य को प्रश्न पूछने की क्षमता नहीं देती, वह उसे उत्तरों का बोझ ही सौंपती है। जब विद्यार्थी किसी समस्या से स्वयं जूझता है, किसी प्रयोग में असफल होता है और पुनः प्रयास करता है, तब वह केवल विषय नहीं सीखता, बल्कि धैर्य, विवेक और आत्मसंयम भी अर्जित करता है। यही शिक्षा का वास्तविक प्रयोजन है- मनुष्य को भीतर से परिपक्व बनाना। अध्ययन अनुभव के बाद आता है, ताकि वह जीवन से जुड़ सके। जब विद्यार्थी किसी घटना, प्रयोग या परिस्थिति से होकर गुजर चुका होता है, तब पुस्तक का एक-एक वाक्य अर्थवान हो उठता है। शब्द तब अनुभव की व्याख्या बन जाते हैं। यही कारण है कि पहले अपनाया गया ज्ञान बाद में पढ़े गए सिद्धांतों को गहराई देता है।

समकालीन शिक्षा-दृष्टि इस तथ्य को स्वीकार करती है कि प्रत्येक विद्यार्थी समान नहीं होता। किसी की रुचि विज्ञान में होती है, किसी की कला में, किसी की प्रकृति में, तो किसी की समाज में। जब शिक्षा इन भिन्नताओं को नकारती है, तब वह व्यक्ति को भी नकार देती है। अनुभव-प्रधान शिक्षा, शिक्षा को एक सांचे में ढालने के बजाय, मनुष्य के भीतर छिपी संभावनाओं को उद्घाटित करती है।

भावनात्मक स्तर पर यह दृष्टि शिक्षा को भय से मुक्त करती है। जब सीखना केवल अंक और परीक्षा का साधन बन जाता है, तब वह तनाव और हीनता को जन्म देता है। इसके विपरीत जब सीखना खोज, प्रयोग और संवाद की प्रक्रिया बनता है, तब आत्मविश्वास स्वतः विकसित होता है। विद्यार्थी गलतियां करने से नहीं डरता, क्योंकि वह जानता है कि भूल भी सीखने का एक चरण है। ऐसी शिक्षा मनुष्य को भीतर से सशक्त बनाती है, न कि केवल प्रतिस्पर्धी। इसमें शिक्षक की भूमिका भी मूलतः बदल जाती है। शिक्षक अब केवल ज्ञान देने वाला नहीं रहता, बल्कि सीखने की यात्रा का सहचर बन जाता है। वह उत्तर थोपने के बजाय प्रश्न जगाता है, निर्देश देने के बजाय दिशा दिखाता है। जब शिक्षक स्वयं सीखने की प्रक्रिया में सहभागी होता है, तब कक्षा एक जीवंत स्थान बनती है। वहां मौन नहीं, संवाद होता है। भय नहीं, जिज्ञासा होती है। शिक्षा तब संबंध बन जाती है, आदेश नहीं।

विज्ञान, दर्शन और अनुभव- इन तीनों का संतुलन ही शिक्षा को पूर्णता देता है। केवल विज्ञान शिक्षा को यांत्रिक बना सकता है, जहां मनुष्य एक उपयोगी साधन भर रह जाता है। केवल दर्शन शिक्षा को अमूर्त बना सकता है, जो व्यवहार से कट जाए।

केवल भावना शिक्षा को अस्थिर कर सकती है, जहां गहराई का अभाव हो।जब अनुभव इन तीनों को जोड़ता है, तब शिक्षा मनुष्य को संपूर्ण बनाती है- सोचने में सक्षम, समझने में संवेदनशील और कार्य करने में जिम्मेदार। अनुभव-प्रधान शिक्षा व्यक्ति को केवल ज्ञाता नहीं, उत्तरदायी बनाती है। जब सीखना जीवन की वास्तविक स्थितियों से जुड़ता है, तब ज्ञान नैतिकता से अलग नहीं रह जाता। केवल सूचनाओं से लैस व्यक्ति चतुर हो सकता है, विवेकशील नहीं। विवेक तब विकसित होता है, जब मनुष्य अपने ज्ञान को व्यवहार में परखता है। अनुभव उसे सीमाएं सिखाता है, असफलता विनम्रता देती है और सफलता संयम। ऐसी शिक्षा व्यक्ति के भीतर संतुलन पैदा करती है। वह न तो अति-आत्मकेंद्रित होता है, न ही भीड़ में विलीन। वह सोचता भी है और महसूस भी करता है।

यही संतुलन शिक्षा को उपयोगी से आगे बढ़ाकर अर्थपूर्ण बनाता है। जो व्यक्ति अनुभव से सीखता है, वह केवल अपने अधिकार नहीं जानता, अपने दायित्व भी समझता है। वह प्रकृति के साथ संघर्ष नहीं करता, सहअस्तित्व सीखता है। वह समाज को केवल उपयोग की वस्तु नहीं मानता, बल्कि सहभागिता का क्षेत्र समझता है। इस प्रकार शिक्षा केवल व्यक्तिगत उन्नति का नहीं, सामाजिक संतुलन का भी आधार बनती है। दरअसल, शिक्षा का उद्देश्य आजीविका तक सीमित नहीं हो सकता। रोजगार आवश्यक है, पर वह शिक्षा का अंतिम लक्ष्य नहीं। शिक्षा का लक्ष्य है- दृष्टि का विकास। वह दृष्टि जो सही और गलत में भेद कर सके, जो तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर दीर्घकालिक परिणाम देख सके, जो ज्ञान को शक्ति नहीं, सेवा का माध्यम समझे।

पहले अपनाओ, बाद में पढ़ाओ इसी दृष्टि का सार है। जब अनुभव बीज बनता है और अध्ययन उसका विस्तार, तब शिक्षा मनुष्य को केवल कुशल नहीं, विवेकशील भी बनाती है। यही शिक्षा का मौलिक स्वरूप है- जो जीवन से निकलती है, जीवन में उतरती है और जीवन को अर्थ देती है।

Gold, silver prices slip amid profit booking, dollar gains

Mumbai (Agency): Gold prices fell moderately, while silver lost over 3 per cent on Friday due to a stronger dollar and a rout in global technology stocks.

MCX gold February futures fell 0.97 per cent to Rs 1,50,590 per 10 grams around 10.40 am on an intraday basis. Meanwhile, MCX silver March futures plunged 3.71 per cent to Rs 2,34,775 per kg.

On the MCX, silver prices had declined as much as 6 per cent to their day's low of Rs 2,29,187 per kg earlier during the session before a strong rebound.

Commodities denominated in dollars became more expensive for holders of other currencies as the US dollar got poised for its strongest weekly performance since November, hovering close to a two-week high.

Silver's sharp correction has reignited concerns over stretched valuations and heightened volatility, even as analysts maintained that the white metal's longer-term fundamentals remain constructive.

Investment banker JP Morgan warned that silver's rich valuations could trigger disproportionate downside during bouts of market stress, adding that downside may be cushioned in the near term, with prices stabilising for a recovery next year.

Analysts called the sharp drop in precious metals a "technical correction" due to

longer-term drivers such as geopolitical uncertainty, central-bank buying, and macro uncertainty remaining intact.

The broader uptrend in COMEX gold remains intact, with the recent decline reflecting profit booking and healthy price digestion rather than trend reversal, they said.

Market watchers advised investors to do staggered allocations rather than lumpsum investments to reduce entry risk.

Strong support is seen in the Rs 1,37,000 to Rs 1,42,000 zone for MCX gold futures, while resistance is anchored around the Rs 1,65,000 to Rs 1,75,000 zone, they said.

Regarding COMEX silver, they said that a sustained move beyond USD 85-USD 92 could lead to an upside momentum up to USD 95-USD 105, with the medium- to long-term outlook remaining constructive on steady industrial demand and structural supply constraints.

RBI raises growth forecast for Q1 and Q2 of 2026-27

Mumbai (Agency): The Reserve Bank of India has raised its real GDP growth projections for Q1 and Q2 of 2026-27 to 6.9 per cent and 7.0 per cent, respectively, RBI Governor Sanjay Malhotra announced on Friday.

Explaining the rationale behind the hike in the growth forecast, Malhotra said, looking ahead, sustained buoyancy in the services sector, GST rationalisation, healthy rabi prospects, monetary easing and benign inflation environment should support private consumption. Investment activity, supported by high capacity utilisation, conducive financial conditions, healthy balance sheets of financial institutions and corporates, robust credit growth and the government's continued thrust on capital expenditure, is expected to maintain its momentum.

Moreover, robust domestic demand is likely to attract fresh investments by the private sector. While services exports are expected to remain strong, merchandise exports will get a boost from the prospective trade deal with the US, the RBI Governor said.

Malhotra also said that the landmark comprehensive trade pact with the European Union, coupled with trade deals with New Zealand and Oman, should help diversify exports and strengthen the external sector. On the other hand, headwinds from geopolitical tensions, uncertain global trade environment, volatility in global financial markets and international commodity prices continue to pose a downside risk. He further stated that the real gross domestic product (GDP), as per the First Advance Estimates (FAE), is estimated to grow at 7.4 per cent (y-o-y) in 2025-26. Private consumption and fixed investment contributed significantly to overall growth. Net external demand, howe

ver, continued to be a drag, with imports outpacing exports. On the supply side, real GVA growth of 7.3 per cent is driven by the buoyant services sector, the resilient agricultural sector and revival in manufacturing activity. On the external front, he pointed out that the global economy showed remarkable resilience in 2025, aided and supported by trade front-loading, a milder-than-anticipated impact of tariffs, broad fiscal stimulus and accommodative monetary policy. He said that inflation is on a path of gradual decline, although it remains above target in several advanced economies.

Govt's net borrowing is on lower side: RBI Governor

Mumbai (Agency): RBI Governor Sanjay Malhotra said on Friday that the government's borrowing programme is on the lower side, which would enable it to raise the required resources at reasonable prices.

Addressing the post-monetary policy press conference, the RBI Governor said there was a need to focus on the net borrowing figure rather than gross borrowings.

"It may not be right to look at the gross borrowing number alone. There are much more redemptions in FY27 so gross borrowing is expected to be higher. Net borrowings, however, are only at Rs 11.73 lakh crore which is only about Rs 20,000 crore more than last year. Given the size of the Budget, one would have expected a much bigger increase," Malhotra observed.

He said the government will also raise funds through Treasury Bills this year, which should help authorities manage the yield curve better and handle the borrowing programme more efficiently.

"The issuance of treasury bills in the next financial year will help further manage the yield curve better. The budgeted number for the small savings scheme is conservative. The Centre's borrowing programme is on the lower side and can raise funds at reasonable prices," he said.

Malhotra further stated that the RBI has made sure there is ample liquidity into the system to ensure transmission of previous repo rate cuts in the economy. The central bank is not looking at making any changes in liquidity management, he added.

He further stated that tax holidays for data centres should help attract fresh investment, signalling confidence that policy incentives can pull long-term capital into digital infrastructure.

The RBI Governor also said that the near and medium term outlook on India's external account is favourable. He highlighted the string of trade deals over the last one year that is expected to boost exports, draw foreign investments and raise productivity.

"Even after accounting for deficits, India has sufficient foreign exchange reserves to cover its requirements. The reserves are more than twice our short-term external borrowings. "On the external front, the position remains very comfortable," he said.

Bharti Airtel's net profit falls 55 pc to Rs 6,630.5 crore in Q3

Mumbai (Agency): Leading telecom company Bharti Airtel reported 55 per cent drop in net profit at Rs 6,630.5 crore (after exceptional items) for the third quarter of fiscal year 2026 on year-on-year basis, compared to Rs 14,781.2 crore in the same period last fiscal.

The decline in profit is attributed to a high base effect from the previous year. In the December quarter of FY24, Airtel had recorded an exceptional gain of Rs 7,545.6 crore.

Additionally, the company's profit was impacted by an additional expense of Rs 256.8 crore due to the new Labour Codes.

On a quarterly basis, the company's profit decreased by 2.3 per cent. In the

September quarter of FY26, the company's profit was Rs 6,791.7 crore.

The company's total revenue in the December quarter stood at Rs 54,683.9 crore, a 19.92 per cent increase compared to Rs 45,599 crore in the same period of the previous fiscal year.

The company's total expenses in the December quarter of the current fiscal year were Rs 23,198.8 crore -- compared to Rs 20,532.7 crore in the December quarter of FY25. This represents a 12.98 per cent increase in expenses year-on-year.

"India revenue including passive infrastructure services increased by 1.4 per cent sequentially. Africa delivered yet another quarter of exceptional performance with constant currency revenue growth of 5.8 per cent. One of the reasons for our stepped-up performance in Africa is the deployment of our home-grown digital stack that has sharpened our go to market excellence, the secret sauce of Airtel," said Gopal Vittal, Executive Vice Chairman.

Bharti Airtel reported that its average revenue per user (ARPU) reached Rs 259 in the December quarter, up from Rs 256 in September and Rs 245 in December 2024.

In the December quarter, 26,056 million GB of data was consumed on the company's network.

RBI to issue new rules for banks to compensate customers in case of fraud

Mumbai (Agency): RBI Governor Sanjay Malhotra announced on Friday that the RBI is drawing up fresh rules on compensation for customers of banks in case of small-value fraudulent transactions.

The extant instructions on limiting the liability of customers in unauthorised electronic banking transactions were issued in 2017, which deal with scenarios and timelines for zero or limited liability of a customer. In view of the rapid adoption of technology in the banking sector and payments systems, since the issuance of these instructions, the existing instructions have been reviewed. Accordingly, the draft revised instructions, including a framework for compensation in case of small-value fraudulent transactions, shall be issued shortly for public consultation, the RBI Governor said.

He also said that the RBI is tightening rules to check banks and NBFCs from mis-selling financial products and services.

Mis-selling financial products and services by any bank or NBFC has significant consequences for both customers and the financial entity itself.

There is a felt need to ensure that third-party products and services that are being sold at the bank counters are suitable for customer needs and are commensurate with the risk appetite of individual clients. It has therefore been decided to issue comprehensive instructions to REs on advertising, marketing and sales of financial products and services.

LIC clocks 17 per cent rise in Q3 net profit at Rs 12,930 crore

Mumbai (Agency): Life Insurance Corporation of India (LIC) reported a consolidated net profit of Rs 12,930 crore for Q3 FY26, marking a 17 per cent year-on-year increase from the Rs 11,008.65 crore net profit reported in Q3 FY25.

The insurer's net premium income, meanwhile, rose to Rs 1,25,988.15 crore during the third quarter of FY 26.

The standalone net profit for the nine months ended December 31, 2025, was Rs 33,998 crore as compared to Rs 29,138 crore for the nine months ended December 31, 2024, registering a growth of 16.68 per cent, according to a company statement. In terms of market share measured by First Year Premium Income (FYPI) (as per IRDAI), LIC continues to be the market leader in the Indian life insurance business with an overall market share of 57.07 per cent for the nine months ended December 31, 2025, as compared to 57.42 per cent for the nine months ended December 31st 2024. For the nine months ended December 31, 2025, LIC had a market share of 35.84 per cent in the individual business and 71.36 per cent in the group business. The total premium Income for nine months period ended December 31, 2025, was Rs 3,71,293 crore as compared to Rs 3,40,563 crore compared to the same period of the previous year, registering a growth of 9.02 per cent.

Individual New Business premium income for the nine-month period ended December 31, 2025, was Rs 44,941 crore as compared to Rs 42,441 crore for the same period of the previous year, registering an increase of 5.89 per cent. The individual renewal premium income for nine months period ended December 31, 2025, was Rs 1,91,050 crore as compared to Rs 1,78,975 crore for the same period of the previous year, registering an increase of 6.75 per cent. The total individual business premium for the nine-month period ended December 31, 2025, increased to Rs 2,35,991 crore from Rs 2,21,416 crore for the comparable period of the previous year, registering an increase of 6.58 per cent.

Indian Oil's net profit surges nearly 60 pc in Q3 FY26, stock jumps

Mumbai (Agency): Shares of Indian Oil Corporation (IOC) rose on Thursday after the state?owned refiner reported a close to 60 per cent surge in profits during the December quarter of FY26.

Indian Oil posted a 59.3 per cent increase in net profit to Rs 12,126 crore for the quarter, up from Rs 7,610.5 crore in the September quarter. Revenue during the reported quarter increased to Rs 2.04 lakh crore, up about 14.3 per cent from Rs 1.78 lakh crore in the prior quarter.

Earnings before interest, tax, depreciation and amortisation (EBITDA) climbed 42.8 per cent sequentially to Rs 20,824.8 crore from Rs

14,584 crore. The EBITDA margin expanded by 200 basis points to 10.2 per cent from 8.2 per cent in the prior quarter. "Average Gross Refining Margin (GRM) for the period April - December 2025 is USD 8.41 per barrel (April - December 2024: USD 3.69 per bbl)," the statement said. The core GRM or the current price GRM for the period April - December 2025 after offsetting inventory loss or gain stood at USD 9.86 per bbl, the company said. IOC's stocks have gained 6.58 per cent over the past month and 39.10 per cent in one year.

● अदाणी मंगल सेवा का एक साल पूरा

500 दिव्यांग महिलाओं को 10-10 लाख रुपए की मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी मंगल सेवा ने 500 'दिव्यांग' महिलाओं के लिए सम्मान और अवसर प्रदान करते हुए एक साल पूरा कर लिया। पिछले साल 5 फरवरी को अदाणी मंगल सेवा की घोषणा दिवा और जीत अदाणी ने अपनी शादी के दौरान की थी। इसके तहत उन्होंने दिव्यांग महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा का संकल्प लिया था।

अदाणी समूह की सामाजिक कल्याण और विकास इकाई, अदाणी फाउंडेशन द्वारा संचालित यह पहल 25 से 40 वर्ष की आयु की दिव्यांग महिलाओं को सहयोग प्रदान करती है। इन महिलाओं की पहचान परियोजना भागीदार यूथ फॉर जॉब्स द्वारा की गई है और उनके पास यूनिक डिसएबिलिटी आईडी कार्ड हैं।

अदाणी फाउंडेशन की ओर से जारी बयान के अनुसार, अपने पहले वर्ष में इस पहल ने 500 दिव्यांग महिलाओं को सहायता देने का वादा पूरा किया। प्रत्येक लाभार्थी के लिए 10 लाख रुपए की फिक्स्ड डिपॉजिट की गई, जिससे उन्हें मासिक आय और दीर्घकालिक आर्थिक

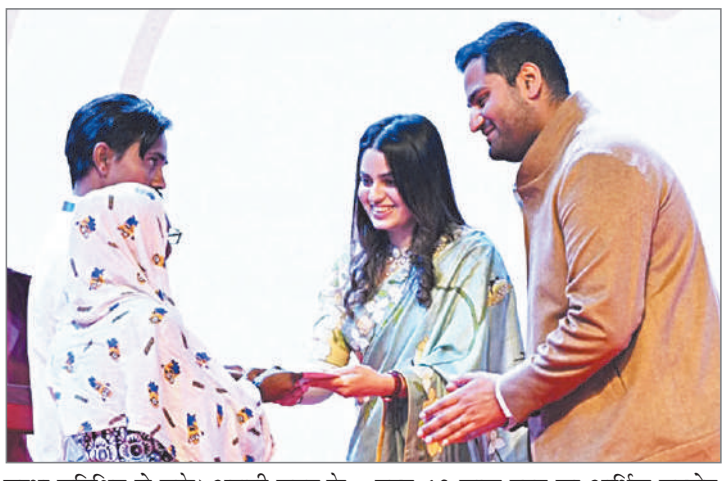

सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि जीत और दिवा अपने वैवाहिक जीवन का एक वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। इस सुखद अवसर पर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं। आज के ही दिन पिछले वर्ष उन्होंने 'मंगल सेवा' का संकल्प लिया था, जिसके तहत हर वर्ष 500 नवविवाहित दिव्यांग बहनों को प्रति बहन 10 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग देने का प्रण किया गया, जो आज भी उसी समर्पण के साथ आगे बढ़ रहा है। यह मेरे लिए अत्यंत संतोष और कृतज्ञता का विषय है। उन्होंने आगे लिखा कि समय के साथ इस प्रयास ने अनेक परिवारों के जीवन में सम्मान और नई उम्मीद के साथ एक नई शुरुआत का अवसर दिया है। सच कहूं तो जब किसी बेटी के जीवन में मुस्कान और आत्मविश्वास लौटता है, उस क्षण का संतोष ऐसा होता है जिसके आगे दुनिया की बड़ी से बड़ी उपलब्धि और वैभव भी छोटे लगते हैं। एक पिता के रूप में मैं स्वयं को धन्य महसूस करता हूं कि मेरे बच्चे अपनी खुशियों के साथ अनेक परिवारों के जीवन में भी आशा और मुस्कान जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

यह पहल कम से कम पांच वर्षों तक चलेगी और इस दौरान हर वर्ष 500 दिव्यांग महिलाओं को सहायता दी जाएगी। इसके लिए प्रतिवर्ष 50 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। शांतिग्राम स्थित बेल्वेडियर क्लब लॉन में आयोजित कार्यक्रम में अदाणी मंगल सेवा के एक वर्ष पूरे होने का अवसर मनाया गया।

इस अवसर पर अदाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ. प्रीति अदाणी ने कहा, अदाणी मंगल सेवा की प्रेरणा इस विचार से जन्मी है कि व्यक्तिगत खुशी का सर्वोच्च अर्थ तब है, जब उसे समाज की भलाई के लिए साझा किया जाए। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक भावना और जिम्मेदारी है।

रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं

अभी ईएमआई कम होने का करें इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नीतिगत दरों का ऐलान कर दिया है। इस बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा गया है। इसका मतलब यह है कि आपको ईएमआई कम होने और कर्ज सस्ता होने का अभी और इंतजार करना पड़ेगा। केंद्रीय बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार, 4 फरवरी से गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में शुरू हुई और आज इसमें लिए गए नीतिगत फैसलों का ऐलान हुआ। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि पिछली बैठक के बाद से बाहरी चुनौतियां (एक्सटर्नल हेडविंड) बढ़ गई हैं। हालांकि, हाल में सफलतापूर्वक पूरे हुए ट्रेड डील आर्थिक संभावनाओं के लिए अच्छे संकेत हैं। कुल मिलाकर, उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में घरेलू मुद्रास्फीति और विकास की दृष्टि सकारात्मक बनी हुई है।

जीडीपी और महंगाई पर क्या बोले- आरबीआई ने अगले फाइनेंशियल ईयर की पहली और दूसरी तिमाही के लिए ग्रोथ के अनुमान को बढ़ाकर क्रमशः 6.9 प्रतिशत और 7 प्रतिशत कर दिया है। वहीं आरबीआई ने 2025-2026 के लिए महंगाई के अनुमान को 2 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.1 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले क्यू4 के लिए यह 3.2 प्रतिशत रहने का अनुमान था।

नीतिगत दरों की स्थिति- रेपो रेट अपरिवर्तित रहने से, स्टैंडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी (एसडीएफ) दर 5 प्रतिशत पर बनी हुई है, जबकि मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) दर और बैंक दर 5.5 प्रतिशत पर जारी है। मौद्रिक नीति समिति का यह फैसला घरेलू आर्थिक हालात और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सावधानीपूर्वक संतुलन बनाता है। देश में विकास और मुद्रास्फीति के रुझान सहायक हैं, लेकिन समिति वैश्विक घटनाक्रम और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से आने वाले बदलते मौद्रिक नीति संकेतों को देखते हुए सतर्क बनी हुई है।

ग्लोबल ट्रेंड क्या है- एएनआई के मुताबिक फरवरी 2026 में, प्रमुख केंद्रीय बैंकों के मौद्रिक नीति निर्णयों में स्पष्ट अंतर देखने को मिला।

ग्रह कलेश, चंद्र दोष, खराब स्वास्थ्य से छुटकारा पाने के लिए करें शिवलिंग से जुड़ा ये सरल उपाय

शिवलिंग पर दही अर्पित करने से क्या होता है?

भगवान शिव की पूजा में अलग-अलग वस्तुएं अर्पित करने की परंपरा सदियों पुरानी है। कुछ लोग शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं, कोई दूध, कोई बेलपत्र तो कई श्रद्धालु दही भी अर्पित करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शिवलिंग ऊर्जा, संतुलन और शांति का प्रतीक है। दही को स्वभाव से ठंडा और सुकून देने वाला माना जाता है, इसलिए इसे मानसिक शांति से जोड़कर देखा जाता है। भगवान शिव को भी शांत, सरल और करुणामय बताया गया है, हालांकि उनका रुद्र रूप भी अत्यंत प्रचंड माना जाता है। ऐसे में दही जैसी शीतल वस्तु अर्पित करना उनके उग्र स्वरूप को शांत करने का प्रतीक समझा जाता है। कई भक्त जीवन में चल रहे तनाव, क्रोध, अशांति या आपसी विवाद को कम करने की भावना से भी यह पूजा करते हैं। आइए जानते हैं कि शिवलिंग पर दही चढ़ाने से क्या लाभ मिलते हैं।

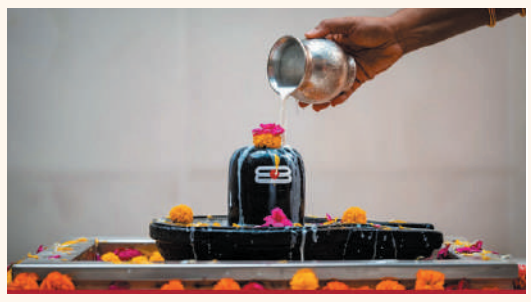

1. मन की शांति का संकेत – दही ठंडक देने वाला होता है, इसलिए इसे चढ़ाना मन की बेचैनी, गुस्से और तनाव को शांत करने का प्रतीक माना जाता है। जो लोग जल्दी घबरा जाते हैं या जिनके घर का माहौल तनावपूर्ण रहता है, वे विशेष रूप से सोमवार के दिन दही से अभिषेक करते हैं। मान्यता है कि इससे मन को हल्कापन महसूस होता है और सोच में स्थिरता आती है।

2. चंद्र दोष से जुड़ा विश्वास- ज्योतिष में दही का संबंध चंद्र ग्रह से जोड़ा जाता है। चंद्र को मन और भावनाओं का कारक माना गया है। जिन लोगों की कुंडली में चंद्र कमजोर बताया जाता है, वे शिवलिंग पर दही चढ़ाकर मानसिक उलझन, डर और अस्थिरता से मुक्ति की कामना करते हैं।

3. सेहत – दही को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। इसी वजह से शिवलिंग पर दही चढ़ाने को शारीरिक परेशानियों से राहत की भावना से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति बार-बार बीमार रहता है या खुद को कमजोर महसूस करता है, वह श्रद्धा से दही अर्पित करे तो उसे भीतर से शक्ति मिलने का एहसास होता है। यह विश्वास आस्था पर आधारित है, लेकिन इससे लोगों को मानसिक शांति मिलती है।

4. घर में शांति का माहौल – कई घरों में छोटी-छोटी बातों पर तनाव या कलह बनी रहती है। दही को शांति और ठहराव का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसे चढ़ाकर घर में सुकून और मधुरता की प्रार्थना की जाती है। लोग मानते हैं कि इससे रिश्तों में नरमी आती है और आपसी समझ बेहतर होती है।

5. गुस्से पर नियंत्रण – भगवान शिव को भोलेनाथ कहा जाता है, लेकिन उनका रौद्र रूप भी प्रसिद्ध है। दही से अभिषेक करना अपने भीतर के क्रोध और चिड़चिड़ेपन को शांत करने का प्रतीक माना जाता है। जो लोग अपने स्वभाव में बदलाव लाना चाहते हैं, वे इस पूजा को एक संकल्प की तरह करते हैं।

दही चढ़ाने की सरल विधि – सुबह स्नान के बाद शांत मन से शिवलिंग पर थोड़ा सा दही अर्पित करें और साथ में जल भी चढ़ाएं। मन में अपनी परेशानी या इच्छा स्पष्ट रूप से रखें। ज्यादा दिखावा जरूरी नहीं, सच्ची भावना ही सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है।

ध्यान रखें

बहुत अधिक दही न चढ़ाएं, थोड़ी मात्रा ही पर्याप्त है।

पूजा के बाद साफ-सफाई का ध्यान रखें।

आस्था के साथ-साथ अपने कर्म और प्रयास भी जरूरी हैं, केवल पूजा से ही सब कुछ अपने आप नहीं बदलता।

केसर के ये तीन उपाय सोए हुए भाग्य को करेंगे जागृत, मिलेगा मेहनत का फल

क्या आप दिन-रात एक कर रहे हैं, फिर भी सक्सेस हाथ नहीं लग रही? ऐसा महसूस होता है जैसे किस्मत के दरवाजे पर ताला लगा है और चाबी कहीं खो गई है? लाल किताब के अनुसार, कभी-कभी सिर्फ हार्ड वर्क काफी नहीं होता; उसके साथ 'ग्रहों की ट्यूनिंग' भी जरूरी है। आज हम बात करेंगे उस 'गोल्डन स्पाइस' की, जो 96 दिनों के भीतर आपकी तरक्की के बंद रास्ते खोल सकता है। हम बात कर रहे हैं- केसर की।

बृहस्पति : आपकी तरक्की का 'पावर हाउस'

लाल किताब में बृहस्पति को 'किस्मत का ग्रह' अर्थात भाग्य का विधाता माना गया है। आपकी कुंडली के सबसे अहम हिस्से बृहस्पति के कंट्रोल में होते हैं, जैसे-

घर नंबर 2 : बैंक बैलेंस, सुख-समृद्धि और कुटुंब।

घर नंबर 5 : टैलेंट, संतान और सही फैसले लेने की क्षमता।

घर नंबर 9 : आपका प्योर लक (शुद्ध भाग्य) और पूर्वजों का आशीर्वाद।

घर नंबर 11 : रेगुलर इनकम और लाइफ के बड़े प्रॉफिट्स के साथ ही आसमानी शक्ति।

सीधी बात : अगर बृहस्पति सो गया, तो समझो ग्रोथ थम गई। या कहें कि कुंडली में यह ग्रह कैसे भी मंदा हो रहा है तो यह सभी तरह की समस्या खड़ी कर सकता है। वैसे तो पुखराज, हल्दी और सोना भी गुरु की चीजें हैं, लेकिन 'केसर' को सबसे प्रीमियम और असरदार माना गया है।

माथे पर तिलक : केसर को हल्के पानी में घोलकर माथे पर तिलक लगाएं। यह आपके 'आज्ञा चक्र' को एक्टिव करता है और गुरु को आपकी कुंडली के लग्न भाव में स्थापित करता है। इससे आपका व्यक्तित्व शानदार बनता है और कॉन्फिडेंस बढ़ता है।

जीभ पर स्पर्श : चुटकी भर केसर अपनी जीभ पर लगाएं या इसे दूध में मिलाकर पिएं। इससे आपकी वाणी में आकर्षण आता है और कुंडली का दूसरा यानी 'धन भाव' जागृत होता है। बिजनेस या जॉब में आपकी बात का वजन बढ़ेगा। कुटुंब में सुख शांति बनी रहेगी।

नाभि पर प्रयोग : केसर का हल्का सा लेप नाभि पर लगाएं। चूंकि नाभि ऊर्जा का केंद्र है और इसे शनि का स्थान भी माना जाता है, यह उपाय नेगेटिविटी को दूर कर आपकी आयु और स्वास्थ्य में सुधार लाता है।

आज की दुनिया में, हमारी लाइफस्टाइल ऐसी हो गई है कि खुद को स्वस्थ रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है. खाने में मिलावट, खराब मौसम, प्रदूषण और कई दूसरे कारण बीमारियों की वजह बनते हैं. हालांकि, एक्सपर्ट और डॉक्टर मानते हैं कि एक ऐसी एक्सरसाइज है जो आपको हेल्दी रहने और लंबी जिंदगी जीने में मदद कर सकती है.

हार्ट अटैक से बचने के लिए कितनी देर और कितने कदम चलना चाहिए?

जी हां, हम बात कर रहे हैं वॉकिंग यानी पैदल चलने की...क्टरों का कहना है कि सिर्फ इस एक्सरसाइज को अपनी रूटीन में शामिल करके आप कई बीमारियों से बच सकते हैं और लंबी जिंदगी जी सकते हैं. लेकिन सवाल यह उठता है कि हार्ट अटैक से बचने के लिए कितना चलना चाहिए? तो, आइए इस आर्टिकल में जानते हैं कि हार्ट अटैक से बचने के लिए किसी व्यक्ति को कितनी देर और कितने कदम चलना चाहिए.

वॉकिंग के फायदे

चलना एक आसान और असरदार एक्टिविटी है जिसके कई फायदे हैं, जिसमें दिल की सेहत में सुधार भी शामिल है. यह दिल को मजबूत बनाता है, ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करता है, वजन कम करने में मदद करता है, और तनाव कम करके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, जिससे दिल की बीमारी और स्ट्रोक का खतरा कम होता है.

हार्ट अटैक से बचने के लिए कितना चलना चाहिए?

अमेरिकन हार्ट फाउंडेशन में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, हार्ट अटैक का खतरा कम करने के लिए, हर दिन कम से कम 30 मिनट (हफ्ते में 5 दिन) तेज चलना (लगभग 9000 से 10,000 कदम) एक बहुत अच्छा लक्ष्य है, क्योंकि इससे हार्ट रेट बढ़ता है, ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, और ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में मदद मिलती है. हालांकि, अगर आप इतना नहीं चल पाते हैं, तो कम कदमों से शुरू करने पर भी (जैसे 3,800-4,000) सेहत को फायदे मिलते हैं. जरूरी बात यह है कि आप रेगुलर एक्टिव रहें और तेज गति बनाए रखें. सबसे जरूरी बात, चलते समय आपको इतनी तेज चलना चाहिए कि आपकी सांस थोड़ी फूल जाए लेकिन आप फिर भी बात कर सकें, और धीरे-धीरे अपनी स्पीड और समय बढ़ाएं. हमेशा वार्म-अप और कूल-डाउन करना याद रखें.

अध्ययन का क्या है कहना?

2023 की नॉर्थवेस्टर्न मेडिसिन की एक स्टडी में पाया गया कि 60 साल और उससे ज्यादा उम्र के जो लोग रोजाना 6,000 से 9,000 कदम चलते हैं, उन्हें दिल की बीमारियों, जैसे हार्ट अटैक या स्ट्रोक का खतरा उन लोगों की तुलना में 40 फीसदी से 50 फीसदी कम होता है, जो रोजाना सिर्फ 2,000 कदम चलते हैं. हालांकि हर इंसान के कदम की दूरी अलग-अलग होती है. यहां 6,000 कदम चलने का मतलब लगभग 2.5 मील और 9,000 कदम का मतलब 4 मील से थोड़ा ज्यादा होता है.

इस स्टडी में आठ अलग-अलग स्टडीज से 18 साल और उससे ज्यादा उम्र के 20,152 लोग शामिल थे. हर पार्टिसिपेंट ने अपने स्टेप काउंट को ट्रैक करने के लिए एक डिवाइस पहना था, और रिसर्चर्स ने छह साल तक पार्टिसिपेंट्स की हेल्थ पर नजर रखी. कुल मिलाकर, इस स्टडी में पाया गया कि किसी भी तरह से चलना, चाहे तेज चलना हो या धीरे-धीरे टहलना, बुजुर्गों में दिल की सेहत को बेहतर बना सकता है और कार्डियोवैस्कुलर बीमारी का खतरा कम कर सकता है. इस स्टडी में युवा वयस्कों में स्टेप काउंट और दिल की बीमारी के खतरे के बीच ऐसा कोई संबंध नहीं पाया गया. हालांकि, आपकी उम्र चाहे जो भी हो, आपकी पूरी सेहत और भलाई के लिए एक्टिव रहना बहुत जरूरी है.

फिजिकल एक्टिविटी बेहद जरूरी

नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी फीनबर्ग स्कूल ऑफ मेडिसिन में प्रिवेंटिव मेडिसिन डिपार्टमेंट की वाइस चेयर और इस स्टडी की को-ऑथर डॉ. मर्सिडीज कार्नेथॉन, PhD का कहना है कि यह उन बुजुर्गों के लिए अच्छी खबर है जो हर दिन 10,000 कदम नहीं चल पाते हैं. दूसरे शब्दों में, यह स्टडी उन बुजुर्गों के लिए उत्साहजनक है जो 10,000 कदम नहीं चल पाते हैं, क्योंकि 6,000-9,000 कदम भी कार्डियोवैस्कुलर सेहत के लिए काफी फायदे देते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि पर्याप्त फिजिकल एक्टिविटी न करने से मोटापा, टाइप 2 डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ सकता है.

ज्यादा कदम कैसे चलें

शुरुआत करने के लिए: जब भी मौका मिले, बिना रुके चलें. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप धीरे चलते हैं या तेज, बस चलते रहें, क्योंकि हर कदम मायने रखता है. आप अपनी रोज की दिनचर्या में और कदम जोड़ने के लिए कुछ छोटी-छोटी चीजें भी कर सकते हैं..

सीढ़ियों का इस्तेमाल करें

अपने लंच ब्रेक के दौरान टहलें

पार्किंग लॉट के पीछे गाड़ी पार्क करें

टीवी कमर्शियल ब्रेक के दौरान घूमें टहलने के लिए कोई साथी ढूंढें

अपने आने-जाने में टहलने को शामिल करें

ज्यादा चलने के अलावा, हाइड्रेटेड रहना भी जरूरी है. अच्छे दिल की सेहत के लिए पर्याप्त पानी पीना जरूरी है.

गोभी से कीड़े निकालने के ट्रिक्स

सर्दियों के मौसम में फूलगोभी की सब्जी जितना स्वादिष्ट लगती है, इसमें छिपे बारीक कीड़े उतनी ही बड़ी समस्या बन जाते हैं। अक्सर साधारण धुलाई से गोभी के कीड़े बाहर नहीं निकलते हैं, जिससे सेहत को खतरा रहता है। इस समस्या का समाधान आप देसी और अनोखे अंदाज में निकाल सकते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गोभी से कीड़े निकालने के लिए कुछ ऐसे ट्रिक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको आजमाकर आप भी देख सकती हैं। यह घरेलू उपाय काफी मददगार माने जाते हैं। वहीं इन उपायों की मदद से आपको भी गोभी बनाने के दौरान इससे कीड़े निकालने की टेंशन नहीं रहेगी।

सरसों का तेल और गैस की आंच

फूलगोभी से कीड़े निकालने के लिए आप इस पर हल्के हाथों से सरसों का तेल लगा दें। अब चिमटे की मदद से गोभी को पकड़कर सीधे गैस की धीमी आंच पर कुछ सेकेंड के लिए घुमाएं। गैस पर रखने से तेल गर्म होगा और धुएं की गंध से गोभी के रेशों के बीच छिपे कीड़े फौरन बाहर निकल आएंगे। यह तरीका उन कीटों के लिए सबसे ज्यादा कारगर है, जो गहराई में छिपे होते हैं और पानी से नहीं मरते हैं।

हल्दी और नमक का गर्म पानी

गोभी को साफ करने का यह एक सुरक्षित और पारंपरिक तरीका है। सबसे पहले गोभी को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और एक बड़े बर्तन में पानी गुनगुना कर लें। इसके बाद 2 चम्मच नमक और एक चम्मच हल्दी मिलाएं। हल्दी एक नेचुरल एंटी-सेप्टिक है। वहीं नमक कीड़ों को निष्क्रिय कर देता है। गोभी के टुकड़ों को 15-20 मिनट के लिए इस पानी के घोल में डुबोकर छोड़ दें। आप देखेंगे कि ऐसा करने से कीड़े मरकर पानी की सतह पर तैरने लगेंगे।

सिरका और बेकिंग सोडा

अगर गोभी में ज्यादा गंदगी और बारीक कीड़े नजर आ रहे हैं, तो आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। ठंडे पानी में आधा कप सफेद सिरका और एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। इस मिश्रण में गोभी डालने से न सिर्फ कीड़े बाहर निकल आएंगे, बल्कि गोभी पर मौजूद कीटनाशकों का भी असर काफी हद तक कम हो जाता है। वहीं करीब 10 मिनट बाद गोभी को दोबारा साफ पानी से धोकर इस्तेमाल करें।

मशरूम खाने से कैंसर और हार्ट डिजीज को रोकने में मिल सकती है मदद

कैंसर एक बहुत खतरनाक बीमारी है. अगर इसका जल्दी पता न चले, तो यह जानलेवा हो सकती है. कैंसर के कई कारण होते हैं, जिनमें खराब खाने की आदतें और अनहेल्दी लाइफस्टाइल, साथ ही कई तरह के एनवायरनमेंटल और जेनेटिक कारण शामिल हैं. करीब एक दशक पहले तक, कैंसर को मौत की सजा माना जाता था, ऐसा माना जाता था कि अगर किसी को कैंसर हो जाए, तो उसे बचाया नहीं जा सकता. हालांकि, मेडिकल साइंस में नए आविष्कारों और साइंटिफिक खोजों की वजह से, अब न सिर्फ इस बीमारी का जल्दी पता लगाना आसान हो गया है, बल्कि लोग आसानी से ठीक भी हो रहे हैं. कैंसर के लिए कई असरदार दवाएं और थेरेपी उपलब्ध हैं, जो इस बीमारी से जुड़े जोखिमों को काफी कम कर सकती हैं.

बटन मशरूम कैंसर के इलाज में मददगार

इसी सिलसिले में, वैज्ञानिकों ने एक और बड़ी खोज की है. हाल ही में हुए एक रिसर्च से यह भी पता चला है कि मशरूम की कई प्रजातियों में कैंसर से लड़ने वाले गुण होते हैं, ऐसी ही एक प्रजाति है बटन मशरूम. इस आसानी से मिलने वाले मशरूम में ऐसे तत्व होते हैं जो कैंसर से लड़ने में मदद कर सकते हैं. यह शरीर में कैंसर सेल्स की ग्रोथ को रोकने में मदद करता है. इसके साथ ही यह मशरूम हार्ट डिजीज के खतरे को भी कम कर सकता है. लोग इसे अपनी रोजाना की डाइट में शामिल कर सकते हैं. इस मशरूम का पाउडर वाला रूप भी बनाया जा रहा है और जल्द ही लोगों के लिए उपलब्ध होगा. नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, मशरूम खाने से पेट के कैंसर (गैस्ट्रिक कैंसर) को रोकने में मदद मिल सकती है.

इस तरह यह कैंसर के मरीजों के इलाज में होता है असरदार

बता दें, कैंसर के उपचार में आमतौर पर सर्जरी, इम्यूनोथेरेपी, कीमोथेरेपी और रेडिएशन थेरेपी शामिल होती है. लेकिन, इन तकनीकों के कई अनडिजारेवल साइड इफेक्ट होते हैं, जिनमें न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर, हाई टॉक्सिसिटी लेबल, चिंता और मेंटल स्ट्रेस शामिल हैं. वहीं मशरूम में पाए जाने वाले बायोएक्टिव कंपाउंड्स का इस्तेमाल इन साइड इफेक्ट्स को कम करने और मौजूदा ट्रीटमेंट्स की असरदार क्षमता को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है.

मशरूम में पावरफुल थेराप्यूटिक गुण होते हैं, जिनमें एंटीमाइक्रोबियल, एंटीट्यूमर, एंटीडायबिटिक, एंटीकैंसर और एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव शामिल हैं. ये बायोएक्टिव कंपाउंड इम्यून सिस्टम को प्रभावित करते हैं, जिससे यह कैंसर और दूसरी बीमारियों जैसी बीमारियों से लड़ने में सक्षम होता है. मशरूम में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड, जैसे पॉलीसेकेराइड, टेरपेनोइड्स, बी-ग्लूकन, स्टेरॉयड, पॉलीफेनोल, फ्लेवोनोइड्स, प्रोटीन और पेप्टाइड्स, एंटीकैंसर एक्टिविटी दिखाते हैं.

रोज कितने ग्राम मशरूम खा सकते हैं?

1966 से 2020 के बीच की गई 202 कैंसर स्टडीज के एक बड़े एनालिसिस से पता चला है कि रोजाना सिर्फ 18 ग्राम मशरूम खाने से कैंसर का खतरा 45 फीसदी तक कम हो सकता है. यह सुरक्षात्मक असर मुख्य रूप से एर्गोथियोनीन की वजह से होता है, जो एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट अमीनो एसिड है जो कोशिकाओं को नुकसान से बचाता है. इसके साथ ही मशरूम सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं, इसमें ढेर सारे पोषक तत्व और मिनरल्स होते हैं. ऑयस्टर मशरूम विटामिन बी12 और विटामिन डी का अच्छा सोर्स हैं. दूसरे तरह के मशरूम भी बहुत पौष्टिक होते हैं और हमें कई बीमारियों से बचाते हैं.

रिसर्च क्या कहती है?

कैंसर के मरीजों को अक्सर अपनी डाइट में मशरूम शामिल करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि ये फंगस कई स्वास्थ्य लाभों से जुड़े होते हैं. हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि सिर्फ डाइट मेडिकल ट्रीटमेंट का विकल्प नहीं है, लेकिन मशरूम में पाए जाने वाले कुछ कंपाउंड्स में ऐसे गुण दिखे हैं जो कैंसर के मरीजों को उनके इलाज के दौरान फायदा पहुंचा सकते हैं. मशरूम खाने की सलाह देने का एक मुख्य कारण उनका इम्यून सिस्टम को मजबूत करने वाला असर है. मशरूम में बीटा-ग्लूकन नाम का एक तरह का पॉलीसेकेराइड होता है, जो इम्यून सिस्टम की प्रतिक्रिया को बढ़ाता है. कीमोथेरेपी या रेडिएशन जैसे इलाज करवा रहे कैंसर के मरीजों का इम्यून सिस्टम कमज़ोर हो सकता है, ऐसे में अपनी डाइट में मशरूम शामिल करने से शरीर की प्राकृतिक सुरक्षा को मज़बूत करने में मदद मिल सकती है

रिसर्च अभी भी जारी है

कैंसर रिसर्च यूके वेबसाइट के अनुसार, इस बात का कोई पक्का सबूत नहीं है कि मशरूम या मशरूम के अर्क कैंसर को रोक सकते हैं या ठीक कर सकते हैं. शुरुआती रिसर्च से पता चलता है कि वे इम्यून सिस्टम को मजबूत कर सकते हैं. रिसर्चर अभी भी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या मशरूम कैंसर कोशिकाओं पर भी असर डाल सकते हैं. रिसर्च जारी है.

हेजलवुड चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

- ऑस्ट्रेलिया ने रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया, 11 फरवरी को पहला मैच खेलेगी टीम

सिडनी (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। वे हमस्ट्रिंग इंजरी से अब तक पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि करते हुए स्पष्ट किया है कि हेजलवुड की जगह फिलहाल टीम में किसी भी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। ऑस्ट्रेलियाई

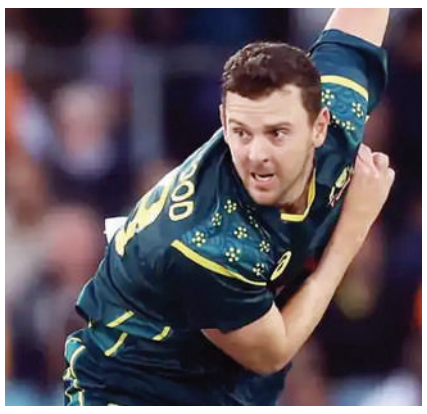

टीम अपना पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई सिलेक्टर टोनी डोडेमाइड ने कहा,हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर-8 स्टेज तक मैच फिट हो जाएंगे, लेकिन उनकी वापसी में अभी और समय लगेगा। उनकी रिकवरी प्रोसेस को तेज करना बहुत बड़ा जोखिम होगा।

ऑस्ट्रेलिया का स्क्वॉड

मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोयनिश, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरन ग्रीन, मैथ्यू रैनशॉ, कूपर कॉनोली, टिम डेविड, जोश इंग्लिस, बेन ड्वारशुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मैथ्यू कुह्नेमन और एडम जम्पा।

11 फरवरी को पहला मैच खेलेगी टीम- ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में शामिल है, जहां उसके साथ श्रीलंका, जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड की टीमें हैं। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में है।

बेन स्टोक्स को चेहरे पर गेंद लगी

- दाईं आंख सूजी, नाक भी चोटिल,सोशल मीडिया पर डरावनी फोटो शेयर की

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एक भयानक हादसे का शिकार हो गए हैं। मैदान पर ट्रेनिंग के दौरान एक तेज रफ्तार गेंद उनके चेहरे पर जा लगी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर अपनी एक डरावनी तस्वीर शेयर की, जिसमें उनका चेहरा पहचान पाना भी मुश्किल हो रहा है।

सोशल मीडिया पर शेयर की 'डरावनी' फोटो- स्टोक्स ने इंस्टाग्राम पर अपनी जो तस्वीर शेयर की है, उसमें उनकी दाईं आंख पूरी तरह सूजी हुई और काली पड़ चुकी है। उनके गाल और होंठों पर खरोंच के गहरे निशान हैं और नाक से खून बहने के कारण पट्टी (बैंडेज) लगी हुई है।

टी-20 वर्ल्डकप, पाकिस्तान से मैच पर सूर्या बोले

हम तैयार, खेलने से उन्होंने मना किया

- हम कोलंबो जाएंगे, पाक ने मुकाबले का बॉयकॉट किया

मुंबई(एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच को लेकर चल रहीं चर्चाओं के बीच भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया का रुख स्पष्ट कर दिया। गुरुवार को मुंबई में कैप्टन्स डे के दौरान सूर्या ने कहा कि भारत मैच खेलेगा। सामने वाली टीम नहीं खेलना चाहती तो यह उनकी मर्जी है।

हमारा माइंडसेट बिल्कुल साफ है। हमने खेलने के लिए मना नहीं किया है, उधर से मना किया गया है। आईसीसी ने मैच का शेड्यूल तय किया है और हम खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमारे टिकट बुक हैं और दिल्ली के बाद हम कोलंबो जा रहे हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू हो रहा है। 15 फरवरी को टीम इंडिया कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ने वाली है, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने इस मैच के बॉयकॉट का ऐलान कर दिया है।

दो शहरों में कैप्टन्स डे- टी-20 वर्ल्ड कप का कैप्टन्स डे आज दो अलग-अलग शहरों में आयोजित किया गया। मुंबई में भारत, अफगानिस्तान, कनाडा, इंग्लैंड, इटली, नामीबिया, नेपाल, न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज के कप्तानों ने हिस्सा लिया।

सूर्या बोले- ड्रेसिंग रूम का माहौल काफी सहज- मुंबई में बातचीत के दौरान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया के कोच ड्रेसिंग रूम में गौतम गंभीर के असर को लेकर बात की। उन्होंने कहा, गंभीर ने टीम के भीतर जो माहौल बनाया है, वह काफी सकारात्मक है। ड्रेसिंग रूम का माहौल भी काफी सहज रहता है।

भारत के 5, श्रीलंका के 3 वेन्यू पर टूर्नामेंट- भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम, चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं, श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिंहला स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया मुंबई, दिल्ली, कोलंबो और अहमदाबाद में ग्रुप स्टेज के मैच खेलेगी।

पाकिस्तानी पीएम बोले-

बांग्लादेश के साथ खड़े रहना सही फैसला

- भारत का बॉयकॉट सोच-समझकर किया; बांग्लादेश के स्पोर्ट्स एडवाइजर बोले- थैंक यू, पाकिस्तान

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप मैच के बहिष्कार को सही और सोचा-समझा फैसला बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस मुद्दे पर बांग्लादेश के साथ मजबूती से खड़ा है।

एक फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने ङ्क पोस्ट में भारत से मैच का बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। उसके बाद आईसीसी ने पीसीबी से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने को कहा था। उसके बाद से पीसीबी का तो कोई बयान नहीं आया, लेकिन वहां के प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया कि पाकिस्तानी सरकार फैसला नहीं बदलने वाली है।

सरकार की बैठक के बाद शरीफ ने कहा- हमने टी20 वर्ल्ड कप पर बिल्कुल साफ रुख अपनाया है कि हम भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे, क्योंकि खेल के मैदान पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

पाकिस्तान ने 1 फरवरी को मैच का बॉयकॉट किया

1 फरवरी को पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट के जरिए भारत के खिलाफ मैच के बॉयकॉट करने का ऐलान किया था। पाकिस्तान ने यह फैसला बांग्लादेश के सपोर्ट में लिया था, क्योंकि आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की बजाय अपने मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। यह पूरा विवाद मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से हटाए जाने के बाद शुरू हुआ। बीसीसीआई ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रही हिंसा के विरोध में मुस्तफिजुर रहमान को भारतीय लीग से बाहर करने का फैसला किया था।

अंडर 19 वर्ल्ड कप के फाइनल में | सूर्यवंशी का 55 बॉल पर शतक, भारत का विशाल स्कोर, 9 विकेट पर 411 रन

सूर्यवंशी ने इंग्लैंड को धोया, 175 रन बनाए

- बाबर आजम का रिकॉर्ड भी टूटकर चूर

हरारे (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी का नाम एक बार फिर से क्रिकेट जगत की सुर्खियों में छा गया है। इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में इस युवा बल्लेबाज ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से कोहराम मचा दिया। वैभव ने महज 55 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर न केवल भारतीय पारी को मजबूत शुरुआत दी, बल्कि अपनी प्रतिभा का एक बार फिर से लोहा भी मनवाया। उनकी इस पारी से इंग्लैंड की टीम मैच के शुरुआती पलों से पूरी तरह से बैकफुट पर चली गई है। 50 ओवर में 9विकेट खोकर 411 रन बनाए थे।

बाबर आजम का रिकॉर्ड भी तोड़ा- इस ऐतिहासिक पारी के दौरान वैभव सूर्यवंशी ने एक बड़ा कीर्तिमान अपने नाम किया। उन्होंने यूथ वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रनों के मामले में पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को पीछे छोड़ दिया है। बाबर आजम (1272 रन) के नाम यूथ वनडे में जो रिकॉर्ड दर्ज था, वैभव ने उसे तोड़कर अब इस सूची में अपना स्थान और ऊपर कर लिया है।

वैभव अंडर-19 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज- अंडर-19 वर्ल्ड कप में छक्कों के मामले में वैभव सूर्यवंशी ने नया कीर्तिमान रच दिया है। 2026 एडिशन में वैभव अब तक 20 छक्के जड़ चुके हैं और इसी के साथ वह टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड डेवाल्ड ब्रेविस के नाम था, जिन्होंने 2022 अंडर-19 वर्ल्ड कप में 18 छक्के लगाए थे।

सूर्यवंशी का 32 बॉल पर अर्धशतक- 11वें ओवर में भारतीय टीम ने 10 रन बनाए। ओवर की चौथी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने शानदार छक्का जड़ा। उन्होंने अगली ही गेंद पर सिंगल लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। यह वैभव का इस वर्ल्ड कप में चौथा अर्धशतक रहा, जो उन्होंने महज 32 गेंदों में पूरा किया।

वैभव भारत के टॉप स्कोरर- इस अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी ने सबसे ज्यादा 6 मैचों में 264 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 82 रन रहा है। इस दौरान उन्होंने 3 हाफ सेंचुरी लगाई। गेंदबाजी में हेनिल पटेल ने कमाल का प्रदर्शन किया है। उन्होंने 6 मैचों में 11 विकेट झटके हैं। उनका बेस्ट प्रदर्शन 5 विकेट देकर 16 रन रहा है।

म्हात्रे 53 रन बनाकर आउट - आयुष म्हात्रे 53 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें एलेक्स ग्रीन ने बेन मेयस के हाथों कैच कराया। इसके साथ उनके और सूर्यवंशी के बीच 142 रन की साझेदारी भी टूट गई थी। भारतीय टीम रिकॉर्ड 10वीं बार फाइनल में पहुंची है। दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम तीसरी बार फाइनल खेलेगी, टीम ने 1998 में इकलौता टाइटल जीता था। इससे पहले 2022 के फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को ही हराकर पांचवीं बार ट्रॉफी जीती थी।

आयुष आउट, 142 रन की साझेदारी टूटी- आयुष म्हात्रे 53 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें एलेक्स ग्रीन की गेंद पर बेन मेयस ने कैच किया। इसके साथ ही आयुष और वैभव सूर्यवंशी के बीच दूसरे विकेट के लिए चली आ रही शानदार 142 रन की साझेदारी का भी अंत हो गया।

फाइनल में वैभव सूर्यवंशी का तूफान, गेंदबाज दिख रहे थे पस्त

वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल मुकाबले में शुरुआत से ही जमकर चौके छक्के उड़ाए। इस खिलाड़ी ने मात्र 32 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। लेकिन इसके बाद भी वैभव थमे नहीं और उन्होंने लगातार इंग्लैंड के स्पिनर्स पर अटैक करते हुए अपना शतक भी पूरा कर लिया। 160 रन की पारी में कुल 13 छक्के और 14 चौके मार चुके थे। वैभव में 80 गेंदों पर 175 रन बनाए और कैच आउट हो गए थे। इससे पहले भी वैभव ने सेमीफाइनल मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ 68 रन की पारी खेली थी।

पैसे और पावर के लिए आमने-सामने अनिल कपूर और विजय वर्मा, सीरीज 'फैमिली बिजनेस' का टीजर जारी

ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स ने एक इवेंट में अपने इंडिया प्लान की घोषणा की है। इस प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली फिल्मों और सीरीज से पर्दा उठ गया है। नेटफ्लिक्स पर सीरीज 'फैमिली बिजनेस' का टीजर जारी किया गया है।

अनिल कपूर की सीरीज 'फैमिली बिजनेस' का निर्माण विक्रम मल्होत्रा, हंसल मेहता और निरेन भट्ट ने मिलकर किया है। आज जारी टीजर काफी शानदार है। शुरुआत अनिल कपूर की एंट्री से होती है। वे बिजनेस मैन के रूप में जंच रहे हैं। अनिल कपूर जेह डावर का किरदार निभा रहे हैं। वहीं विजय उनके बेटे सिड मल्होत्रा के किरदार में हैं। सीरीज की कहानी कुछ इसी तर्ज पर है, जहां पैसों और पावर के लिए बाप-बेटे एक-दूसरे के आमने-सामने हो जाते हैं।

'तू या मैं' में विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे करियर का सबसे खास अनुभव रहा

हिंदी सिनेमा में हर कलाकार के करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट आते हैं, जो उनके सीख और आत्मविश्वास का जरिया बन जाते हैं। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए उनकी आने वाली फिल्म 'तू या मैं' कुछ ऐसा ही प्रोजेक्ट है। इस फिल्म के जरिए उन्हें मशहूर निर्देशक विजय नांबियार के साथ काम करने का मौका मिला है। इसको लेकर पारुल का कहना है कि यह फिल्म उनके करियर का सबसे खास अनुभव है। इस सफर ने उन्हें एक कलाकार के रूप में और मजबूत बनाया है।

फिल्म को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए पारुल गुलाटी ने कहा, ''विजय नांबियार के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा रहा। मैं पहले से ही उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हूं। उनकी फिल्मों में कहानी कहने का तरीका, किरदारों की गहराई और फिल्म का माहौल ऐसा होता है कि फिल्म खत्म होने के बाद भी उसका असर मन पर बना रहता है। ऐसे निर्देशक के साथ काम करना सम्मान की बात है।''

पारुल ने कहा, ''जिस निर्देशक के काम को आप सालों से देखते और पसंद करते आए हों, उसी के निर्देशन में कैमरे के सामने खड़ा होना बहुत खास एहसास देता है। 'तू या मैं' ने मुझे यही मौका दिया। इस फिल्म ने उन्हें भावनात्मक, मानसिक और अभिनय के स्तर पर खुद को और बेहतर समझने का अवसर दिया। यह फिल्म मेरे करियर की सबसे खास है।' इस फिल्म में पारुल गुलाटी के साथ आदर्श गौरव और शनाया कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अपने सह-कलाकारों के बारे में बात करते हुए पारुल ने कहा, ''उनके साथ काम करना इस सफर को और भी खूबसूरत बनाता है। आदर्श गौरव बेहद ईमानदार और मेहनती अभिनेता हैं। वह हर सीन में पूरी सच्चाई के साथ काम करते हैं। वहीं शनाया कपूर सेट पर नई ताजगी लेकर आती हैं। उनमें सीखने की काफी लगन है।'' पारुल ने कहा, ''जब आसपास ऐसे कलाकार होते हैं, तो काम को लेकर समर्पण और खुद को बेहतर करने की प्रेरणा अपने आप मिलती है। हर दिन सेट पर कुछ नया सीखने को मिलता है, और यही चीज किसी भी कलाकार को आगे बढ़ने में मदद करती है।''

8 घंटे की शिफ्ट टीवी के लिए संभव नहीं

टीवी की दुनिया बाहर से जितनी चमकदार और रंगीन दिखाई देती है, अंदर से उतनी ही दबाव से भरी होती है। दर्शक रोज अपने पसंदीदा कलाकारों को टीवी स्क्रीन पर देखते हैं, लेकिन उनकी मेहनत, थकान और मानसिक तनाव से अनजान रहते हैं। घंटों शूटिंग, लगातार काम का दबाव और निजी जीवन के लिए कम समय, ये सब टीवी कलाकारों की रोजमर्रा जिंदगी का हिस्सा है। इसी मुद्दे पर छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने आईएएनएस से खुलकर बात की है और बताया है कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना कितना कठिन होता है। अर्जुन बिजलानी ने टीवी इंडस्ट्री के लंबे वर्किंग आवर्स को बेहद मुश्किल बताया। उन्होंने कहा, 'कागज पर भले ही 12 घंटे की शिफ्ट लिखी जाती हो, लेकिन असल में कलाकारों का पूरा दिन काम में ही निकल जाता है। शूटिंग के अलावा सेट तक आने-जाने का समय, मेकअप, और कई बार ओवरटाइम भी इसमें जुड़ जाता है, जिससे काम के घंटे और बढ़ जाते हैं।'

अर्जुन ने उदाहरण देते हुए कहा, ''अगर किसी कलाकार की शूटिंग सुबह 9 बजे से शुरू होती है, तो उसे सुबह 7 बजे उठना पड़ता है। 8 बजे तक घर से निकलना जरूरी होता है ताकि समय पर सेट पहुंचा जा सके। खासकर महिला कलाकारों को कई बार और भी जल्दी बुलाया जाता है, क्योंकि उन्हें मेकअप और तैयार होने में ज्यादा समय लगता है। इस वजह से उनका दिन और भी लंबा हो जाता है।'' उन्होंने कहा, ''शूटिंग अक्सर रात 9 बजे तक चलती है और कई बार इससे भी देर हो जाती है। शूट खत्म होने के बाद भी कलाकारों को मेकअप उतारने और कपड़े बदलने में समय लगता है। इसके बाद ट्रैफिक में घर लौटना एक अलग चुनौती होती है। कई बार कलाकार रात के काफी देर से घर पहुंचते हैं, जब शरीर पूरी तरह थक चुका होता है।''

अर्जुन बिजलानी ने कहा, ''सबसे मुश्किल बात यह है कि अगले दिन फिर वही दिनचर्या दोहरानी पड़ती है। शरीर को पूरा आराम मिलने से पहले ही फिर से काम पर निकलना पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के आरके पुरम में देर रात एनकाउंटर, पुलिस ने दरिंदा के पैर पर मारी गोली

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली के आरके पुरम थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाशों के बीच गुरुवार देर रात मुठभेड़ हुई है। दिल्ली पुलिस की मुस्तैदी और सही समय पर कार्रवाई के चलते मुठभेड़ में पुलिस ने दो बदमाशों को हिरासत में लिया। बदमाशों ने 6 राउंड फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने 4 गोलियां चलाई। पुलिस के आगे दोनों बदमाश टिक न सके। यह घटना लगभग सुबह 3 :30 बजे की है। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, पुलिस ने आरोपियों को मोटरसाइकिल पर घूमते हुए देखा, जो कथित तौर पर लूटपाट करने की फिराक में थे। बदमाशों ने पुलिस के रोकने के बाद फायरिंग शुरू कर दी थी, पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें एक बदमाश के पैर पर गोली भी लगी। इसके बाद घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां उसका ईलाज चल रहा है। दरअसल पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों बदमाश इलाके में देर रात से ही लूट की वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम दोनों की खोजबीन में लग गई। कड़ी मशक्कत के बाद जब पुलिस ने उन्होंने खोज निकाला और रोकने की कोशिश की तो इससे पहले ही उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी थी जिसके चलते सेल्फ डिफेंस में पुलिस को भी चार राउंट फायरिंग करनी पड़ी जिसमें से एक गोली एक बदमाश के पैर में जा लगी। अपराधियों की पहचान संजय और सोनू के रूप में हुई है। पुलिस ने मामले में बताया कि जिस बदमाश के पैर में गोली लगी है उसने अपना नाम दरिंदा रखा हुआ है। वह कई डकैतियों और अन्य अपराधों में संदिग्ध है। पुलिस मामले में पकड़े गए अन्य आरोपी के भी आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच में जुट गई है।

गाजियाबाद की लड़कियों ने डिमांड के साथ पिता को दे दी थी धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद की भारत सिटी सोसाइटी में 9वें मंजिल से कूदने वाली 3 लड़कियों के पिता ने अब कुछ नए खुलासे किए हैं। बच्चियों के पिता ने बताया है कि खुदकुशी करने से कुछ घंटे पहले उनकी बेटियों ने कहा था कि यदि उन्हें कोरिया नहीं ले जाया गया तो वह मर जाएंगी। पिता के मुताबिक बच्चियां साउथ कोरिया में रहना चाहती थीं और इसके लिए लागातार दबाव डाल रही थीं। इस बीच गाजियाबाद पुलिस ने कहा कि वे परिवार के लोगों से पूछताछ कर रहे हैं और उनकी ओर से मीडिया से बातचीत के दौरान किए गए दावों की पड़ताल कर रहे हैं, खासतौर पर उन आरोपों को लेकर कि लड़कियों ने खुदकुशी ऑनलाइन टास्क बेस्ड गेम्स की वजह से आत्महत्या की। बुधवार तड़के 2 बजे 11, 14 और 16 साल की इन तीन बहनों ने भारत सिटी में एक टावर के नौवें मंजिल पर स्थित घर से छलांग लगा दी। लड़कियों की खुदकुशी के तुरंत बाद पिता ने कई मीडिया संगठनों और पुलिस को बताया था कि बच्चियों ने यह कदम ऑनलाइन गेमिंग की वजह से उठाया गया। कुछ पुलिस अधिकारियों ने भी शुरुआत में यही बात कही। हालांकि, जांचकर्ताओं का कहना है कि अभी ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है। ट्रांस हिंडन जोन के डीसीपी निमिष पाटिल ने कहा, 'अभी तक की जांच के मुताबिक, घटना के पीछे टास्क बेस्ड गेम नहीं है। पिता की ओर से किए गए दावे की जांच की जाएगी। उनसे विस्तृत पूछताछ की जाएगी। एक बार जब परिवार सहयोग की स्थिति में होगा तो हम उनके दावों को लेकर सबूत मांगेंगे।' पाटिल ने कहा कि जिस कमरे से लड़कियों ने छलांग लगाई वहां मिला मोबाइल फोन उनकी मां का है। उन्होंने कहा, घटना से पहले कोई संदिग्ध मैसेज या फोन कॉल नहीं था। मोबाइल में टास्क बेस्ड गेमिंग का कोई सबूत नहीं है। इस बीच उनके पिता ने घटना वाली रात लड़कियों से आखिरी बातचीत का खुलासा किया है। पिता ने कहा, मैंने करीब 10 बजे उनसे बातचीत की। मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने डिनर कर लिया है और सो जाने को कहा। उन्होंने एक बार फिर जोर दिया कि मैं उन्हें कोरिया ले जाऊं। मैंने इनकार कर दिया।

ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में बचपन, फरीदाबाद के अस्पतालों में रोज पहुंच रहे 100 बच्चे

नई दिल्ली, एजेंसी। बच्चों में मोबाइल और ऑनलाइन गेम्स की लत लगातार बढ़ती जा रही है। शहर के अस्पतालों में रोजाना 100 से अधिक ऐसे मामले पहुंच रहे हैं। मनोचिकित्सकों ने अभिभावकों को सावधान रहने की सलाह दी है।

फरीदाबाद में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बीके सहित करीब 15 बड़े अस्पताल हैं। इनमें रोजाना करीब 100 ऐसे बच्चे और किशोर पहुंच रहे हैं, जिनमें अत्यधिक गेमिंग के कारण पढ़ाई में गिरावट, नींद की कमी, चिड़चिड़ापन और सामाजिक दूरी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। कुछ मामलों में बच्चों में अवसाद, आत्मविश्वास की कमी और आत्मघाती विचार तक देखे जा रहे हैं। बुधवार को गाजियाबाद में मोबाइल पर कोरियन लव गेम के आदी तीन नाबालिग बहनों की घटना ने अभिभावकों को झकझोर कर रख दिया है। इसका असर फरीदाबाद में भी देखा जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में बच्चे मोबाइल फोन और ऑनलाइन गेम्स के आदी होते जा रहे हैं।

ग्रेटर फरीदाबाद स्थित एकॉर्ड अस्पताल की मनोचिकित्सक डॉ. सिमरन मलिक ने कहा कि डिजिटल गेम्स में हार-जीत बच्चों के मन पर गहरा असर डालती है। बार-बार हारने पर आत्मविश्वास कम होता है और वे खुद को दूसरों से कमतर समझने लगते हैं, जिससे वे धीरे-धीरे वास्तविक दुनिया से कटने लगते हैं। इसलिए मोबाइल या गेम्स पूरी तरह बंद करना समाधान नहीं है, बल्कि समय-सीमा तय करना जरूरी है। अभिभावकों को बच्चों से रोज बातचीत करनी चाहिए, उनके साथ समय बिताना चाहिए और खेल-कूद व रचनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करना चाहिए। यदि बच्चे के व्यवहार में लगातार बदलाव दिखे तो देर न करें और किसी मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से संपर्क करें। डॉ. अंकुर ने कहा कि पैरेंटल कंट्रोल ऐप्स, समय-सीमा तय करने वाले टूल्स और सुरक्षित

ब्राउजिंग सेटिंग्स का उपयोग अभिभावकों को जरूर करना चाहिए। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. अंकुर सचदेवा ने बताया कि डिजिटल गेम्स की लत बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। अस्पताल में हर महीने 5 से 6 बच्चे और किशोर मानसिक परेशानी के इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, जिनमें से करीब दो बच्चे मोबाइल और गेम्स की अत्यधिक लत से जूझ रहे होते हैं। लगातार स्क्रीन पर समय बिताने से बच्चों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, अकेलापन और ध्यान की कमी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। कई बच्चे पढ़ाई में पिछड़ने लगते हैं और नींद व खानपान का संतुलन भी बिगड़ जाता है। उन्होंने बताया कि बच्चे अक्सर अपनी परेशानी शब्दों में नहीं कह पाते, बल्कि व्यवहार से संकेत देते हैं।

ऑनलाइन गेम की लत का पता लगाएगा एम्स का टूल, ऐसे जान पाएंगे रिस्क स्कोर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटरनेट, मोबाइल और ऑनलाइन गेम की लत बच्चों और युवाओं के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। हाल के दिनों में गाजियाबाद में तीन लड़कियों की आत्महत्या करने के साथ ही कई घटनाएं सामने आई हैं। अब इस समस्या की समय रहते पहचान के लिए एम्स ने आईसीएमआर के सहयोग से एक खास स्क्रीनिंग टूल विकसित किया है। टूल की मदद से इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक इस्तेमाल से होने वाली लत का पता लगाया जा सकेगा। इस शोध के लिए आईसीएमआर ने एम्स को फंड जारी किया था। इसके बाद एम्स के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर के बिहेवियरल एडिक्शन्स क्लीनिक के प्रोफेसर यतन पाल सिंह बलहारा के नेतृत्व में यह स्क्रीनिंग टूल विकसित किया गया। डॉक्टरों ने 112 कॉलेज छात्रों पर अध्ययन कर इस टूल को तैयार किया है। डॉ. बलहारा ने बताया कि देश में 18 से 20 प्रतिशत बच्चे इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक इस्तेमाल के कारण इस लत से पीड़ित हैं। यह स्क्रीनिंग टूल इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों के इस्तेमाल की आदत से जुड़े 11 सवालों के आधार पर तैयार किया गया है। लत की गंभीरता के आधार पर डॉक्टरों ने ऑनलाइन गेमिंग, गैंबलिंग, सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल, अत्यधिक ऑनलाइन खरीदारी और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अत्यधिक कंटेंट देखने की लत की स्क्रीनिंग के लिए अलग-अलग स्कोर तय किए हैं।

आरएसएस पर टिप्पणी कर फंसे दिग्विजय सिंह, मानहानि मामला खारिज करने से कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और दूसरे सरसंघचालक एमएस गोलवलकर से जुड़ी एक टिप्पणी के चक्कर में फंसते नजर आ रहे हैं। इस मामले में उनके खिलाफ दायर एक मानहानि याचिका को कोर्ट ने खारिज करने से इनकार कर दिया है। 8 जुलाई 2023 को सोशल मीडिया साइट पर किए गए एक पोस्ट में दिग्विजय सिंह ने दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर की एक तस्वीर साझा करके उसके कैप्शन में लोगों से सवाल पूछा था कि क्या वह दलितों, पिछड़े वर्गों, मुसलमानों और भूमि, जल व जंगल से जुड़े मुद्दों पर गोलवलकर के विचारों से परिचित हैं? इस पोस्ट को लेकर ठाणे निवासी और संघ के स्वयंसेवक शशिकांत चंपानेकर ने कांग्रेस नेता के खिलाफ मामला दायर कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे संघ की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। याचिका के दाखिल होने के बाद कोर्ट ने सुनवाई शुरू कर दी। राज्यसभा सांसद ने इस याचिका को खारिज करने की अपील करते हुए तर्क दिया कि यह मामला कानूनन विचारणीय नहीं है। इस पर सिविल जज राजेश बी. खंडारे ने कहा कि दिग्विजय सिंह के खिलाफ दायर मानहानि याचिका में वैध कारण बनता है। इसी वजह से इसे प्रारंभिक स्तर पर खारिज नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस नेता की तरफ से दलील दी गई कि याचिका कर्ता को यह मुकदमा दायर करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि संघ न तो कोई पंजीकृत संस्था है और न ही कानूनी व्यक्ति है। ऐसे में वह मुकदमा दायर नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि आखिर कोई व्यक्तिगत सदस्य संघ और

गोलवलकर की ओर से हर्जाना कैसे मांग सकता है? इस पर याचिकाकर्ता की तरफ से कहा गया कि आपराधिक मानहानि कानून के तहत किसी पहचाने जाने योग्य समूह की मानहानि की जा सकती है और उस समूह का कोई आहत सदस्य कानूनी कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े गंभीर और विचारणीय मुद्दे हैं, जिनका फैसला केवल साक्ष्य दर्ज होने के बाद ही किया जा सकता है, न कि वाद खारिज करने के चरण पर। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि इस वाद को प्रारंभिक स्तर पर ही खारिज नहीं किया जा सकता।

बिल गेट्स से एलन मस्क तक: दुनिया के दिग्गज हस्तियों के नाम एपस्टीन फाइल में आने से भूचाल

वाशिंगटन, एजेंसी। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के काले कारनामों से जुड़ी एपस्टीन फाइल्स एक बार फिर दुनिया भर में चर्चा का केंद्र बन गई हैं। हाल ही में अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा एपस्टीन फाइल से जुड़े लाखों पन्नों के दस्तावेज जारी किए गए हैं। जिसमें दुनियाभर के कई ऐसे दिग्गजों के एपस्टीन के साथ संबंध का खुलासा हुआ है कि गूगल ट्रेंड्स पर इस मामले की सर्च रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। दरअसल, एपस्टीन फाइल के नए दस्तावेजों में दुनिया के सबसे अमीर और शक्तिशाली व्यक्तियों- जिनमें एलन मस्क, बिल गेट्स और डोनल्ड ट्रंप के साथ एपस्टीन के कथित संबंधों का विवरण दिया गया है। लाखों पन्नों और हजारों तस्वीरों में आए दुनिया के प्रमुख हस्तियों के नाम ने वैश्विक राजनीति और कॉर्पोरेट जगत में हलचल मचा दी है। ज्ञात हो कि अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा 30 जननरी को एपस्टीन फाइल से जुड़े नए दस्तावेज जारी किए गए। लाखों पन्नों के इस फाइल में 180,000 चित्र, 2,000 वीडियो है। जिसमें रिचर्ड ब्रैनसन, बिल गेट्स और एलन मस्क जैसे कई जाने-माने हस्तियों के यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ संबंध उजागर हुए हैं। हालांकि, इन फाइलों में नाम होने का अर्थ सीधे तौर पर किसी अपराध की पुष्टि नहीं है। पहले जारी किए गए दस्तावेजों में जिन लोगों के नाम आए हैं, उनमें से कई लोगों ने एपस्टीन से संबंधित किसी भी गलत काम से इनकार किया है। एपस्टीन फाइल में अरबति एलन मस्क और जेफरी के बीच बातचीत का ईमेल शामिल है।

अरबों का गुपचुप कारोबार! चीन में धड़ल्ले से बिक रहे कंडोम

बीजिंग, एजेंसी। जब भी जनसंख्या नियंत्रण की बात होती है तो अक्सर हमारा ध्यान कड़े कानूनों या सरकारी नीतियों पर जाता है लेकिन इन सबके बीच एक छोटा सा प्रोडक्ट खामोशी से दुनिया की आबादी को संतुलित करने में सबसे बड़ी भूमिका निभा रहा है। हम बात कर रहे हैं कंडोम की। जिस प्रोडक्ट का नाम सुनते ही अक्सर लोग झिझक जाते हैं आज उसका बाजार एशिया में अरबों डॉलर तक पहुंच चुका है। आइए जानते हैं कि एशिया के किस देश में इसका सबसे बड़ा साम्राज्य खड़ा हो चुका है। कंडोम की खपत में एशिया का सुपरपावर विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शोध और व्यापारिक रिपोर्टों के अनुसार एशिया में कंडोम की बिक्री के मामले में चीन निर्विवाद रूप से नंबर-1 पर है। चीन में हर साल लगभग 5.8 अरब (कंडोम यूनिट्स बेची जाती हैं। यह संख्या पूरे एशिया की कुल खपत का एक बड़ा हिस्सा है। इस सूची में भारत दूसरे स्थान पर है जबकि तुर्की तीसरे नंबर पर आता है। हालांकि चीन और भारत के बीच का अंतर अभी भी काफी ज्यादा है।

अरबों डॉलर का कारोबार: 2030 तक होगा दोगुना: चीन का कंडोम बाजार सिर्फ जरूरत नहीं बल्कि निवेश का एक बड़ा केंद्र बन गया है:

मार्केट वैल्यू: साल 2023 में चीन का कंडोम बाजार करीब 3.69 बिलियन डॉलर (लगभग 30,000 करोड़ रुपये) का था।

भविष्य का अनुमान: विशेषज्ञों का मानना है कि 2030 तक यह बाजार बढ़कर 7.24 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

ग्रोथ रेट: यह सेक्टर हर साल 10त्न की रफ्तार से बढ़ रहा है जो किसी भी अन्य एफएमसीजी प्रोडक्ट के मुकाबले काफी बेहतर है।

चीन में कंडोम की इतनी ज्यादा बिक्री के पीछे तीन मुख्य कारण हैं: विशाल आबादी: चीन की 1.4 अरब की आबादी में से लगभग 60 करोड़ लोग यौन रूप से सक्रिय श्रेणी में आते हैं। चीन सरकार ने यौन स्वास्थ्य और बीमारियों से बचाव के लिए इसे एक अनिवार्य स्वास्थ्य उत्पाद के रूप में प्रचारित किया है। बेहतर यौन शिक्षा और आधुनिक जीवनशैली के कारण अब वहां कंडोम खरीदने को लेकर सामाजिक शर्मिंदगी कम हो गई है।

ब्रांड्स और क्वालिटी का बोलबाला चीन के बाजार में 85त्न से ज्यादा हिस्सा लेटेक्स कंडोम का है। वहां की जनता ओकामोटो सागामी और इलासुन जैसे ब्रांड्स पर भरोसा करती है। दिलचस्प बात यह है कि चीन अपनी खपत पूरी करने के लिए थाईलैंड, जापान और मलेशिया जैसे देशों से भारी मात्रा में कंडोम आयात भी करता है।

भारत के लिए क्या है सबक?

भारत एशिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार तो है लेकिन यहां आज भी ग्रामीण इलाकों में इसे खरीदने को लेकर भारी सामाजिक झिझक देखी जाती है। हालांकि सरकारी योजनाओं और सुरक्षित संबंधों के प्रचार की वजह से भारत का बाजार भी अब तेजी से रफ्तार पकड़ रहा है।

सऊदी से ओमान तक... वो 6 खाड़ी देश जिनके साथ भारत जल्द ही पक्का कर सकता है फ्री ट्रेड पैक्ट

अबुधावी, एजेंसी। भारत और मिडिल ईस्ट देशों के छह देशों के ग्रुप गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल ने गुरुवार को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की बातचीत शुरू करने के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर साइन किए।

टर्म्स ऑफ रेफरेंस एक प्रस्तावित ट्रेड पैक्ट के दायरे और तरीकों की रूपरेखा बताते हैं। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में ये हस्ताक्षर किए गए। जीसीसी खाड़ी क्षेत्र के छह देशों का एक यूनियन है, जिसमें सऊदी अरब, यूएई, कतर, कुवैत, ओमान और बहरीन शामिल हैं। व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने में मदद करेगा। उन्होंने बताया, ये दोनों ट्रेडिंग पार्टनर 5,000 से ज्यादा सालों से एक-दूसरे के साथ व्यापार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि करीब 10 मिलियन भारतीय जीसीसी क्षेत्र में रह रहे हैं और काम कर रहे हैं। गोयल ने कहा, यह बहुत सही है कि अब हम एक ज्यादा मजबूत और ठोस ट्रेडिंग एग्रीमेंट करें, जिससे सामान और सेवाओं का ज्यादा मुक्त प्रवाह हो सके, नीति में अनुमान और स्थिरता आए और ज्यादा इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा कि यह समझौता जीसीसी देशों के साथ-साथ भारत की खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा को भी बढ़ावा देगा। जहां भारत दुनिया में अनाज का एक बड़ा उत्पादक है, वहीं जीसीसी देश तेल और गैस के निर्यातक हैं। गोयल ने कहा, हमें भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर और जीसीसी में इंफ्रास्ट्रक्चर को एक साथ बढ़ाने के लिए भी मौका मिलेगा। साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काम करने वाली हाई-क्वालिटी कंपनियों का साथ भी मिलेगा। इस पार्टनरशिप से हमारी पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री को बहुत फायदा होगा।

भारत पर कम टैरिफ से घबराया बांग्लादेश, अब ट्रंप के साथ यूनुस करने जा रहे सीक्रेट डील

ढाका, एजेंसी। भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बाद बांग्लादेश घबरा गया है। ताजा घटनाक्रम में अमेरिका और बांग्लादेश 9 फरवरी को एक ट्रेड एग्रीमेंट साइन करने वाले हैं। इस डील की शर्तों को लेकर गोपनीयता के कारण इसकी काफी आलोचना हो रही है। बड़ी बात यह है कि बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं और इससे पहले इस सीक्रेट डील की चर्चा हो रही है। भारत-अमेरिका ट्रेड एग्रीमेंट के बाद बांग्लादेश ने डील को फाइनल करने की जल्दी की है। ट्रंप ने भारतीय सामान पर टैरिफ घटाकर 18 परसेंट कर दिया गया है। बांग्लादेश को डर है कि अगर वह उतने ही कॉम्पिटिटिव या बेहतर शर्तें हासिल नहीं कर पाता है तो वह भारत से मार्केट शेयर खो देगा। उसकी इकॉनमी बहुत ज्यादा अमेरिका को रेडीमेड गारमेंट एक्सपोर्ट पर निर्भर करती है। यह उसके अमेरिकी एक्सपोर्ट का लगभग 90 परसेंट है। यह डील अप्रैल 2025 में वाशिंगटन द्वारा ढाका पर 37 प्रतिशत का भारी टैरिफ लगाने के बाद हुई है।

जाम से मिलेगी मुक्ति, गौड़ चौक और तिगरी के बीच बनेंगे 2 नए यू-टर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में चारमूर्ति/गौड़ चौक और

तिगरी के बीच 60 मीटर चौड़ी सड़क पर दो नए यूटर्न का काम शुरू कर दिया गया है। सर्विस मार्ग को भी जल्द चौड़ा किया जाएगा। इस काम अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य है। इससे वाहनों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। नोएडा एयरपोर्ट चालू होने के बाद ट्रैफिक का दबाव और बढ़ जाएगा। यूटर्न के बनकर तैयार होने पर गौड़ सिटी व उसके आसपास की 20 से अधिक सोसाइटियों में रहने वाले डेढ़ लाख से अधिक लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा।

प्राधिकरण के परियोजना विभाग अधिकारी के मुताबिक दोनों तरफ के सर्विस मार्ग को चौड़ा किया जा रहा है। इससे यह सड़क दो- दो लेन की हो जाएगी। अभी साढ़े तीन मीटर चौड़ी यानी एक लेन की है। गौर सिटी-वन व टू की सोसाइटी में रहने वाले लोगों के साथ क्रॉसिंग रिपब्लिक गाजियाबाद की तरफ जाने वाले लोग भी इस रास्ते से होकर आवाजाही करते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक ट्रैफिक का दबाव होने की वजह से अक्सर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। इस समस्या के स्थाई समाधान के लिए यहां सर्विस मार्ग को चौड़ा करने के साथ तिगरी और गौड़ चौक के बीच मुख्य सड़क पर दो नए यूटर्न बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है।

यूटर्न के निर्माण पर तीन करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। खजूर चौक के पास तिगरी गोलचक्कर से पहले बनने वाले इस यूटर्न से गौड़ सिटी-टू की तरफ से आना-जाना आसान हो जाएगा। वाहन चालकों को अभी तिगरी गोलचक्कर से घूमकर आना पड़ता है। यूटर्न बनने से तिगरी गोलचक्कर पर भी ट्रैफिक जाम की समस्या कम हो जाएगी। राष्ट्रीय राजमार्ग-24 गाजियाबाद की तरफ जाना आसान हो जाएगा। प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर ने बताया कि यूटर्न और सर्विस मार्ग को चौड़ा करने का काम तय समय में पूरा कराने का प्रयास रहेगा। इससे गौड़ सिटी के आसपास लगने वाले जाम से काफी हद तक राहत मिलेगी।

गढ़ी रेलवे फाटक पर बनेगा फ्लाईओवर, हजारों लोगों को मिलेगी जाम से मुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएमडीए की तरफ से गढ़ी रेलवे फाटक पर फ्लाईओवर बनाने की तैयारी की जा रही है। इसको लेकर एक सलाहकार कंपनी को नियुक्त कर दिया है। अगले दो महीने के अंदर सलाहकार कंपनी की तरफ से फ्लाईओवर निर्माण की डीपीआर तैयार कर ली जाएगी। इस रेलवे लाइन के एक तरफ सेक्टर-37सी और डी, सेक्टर-नौबी के अलावा गांव बसई और गांव गढ़ी हैं। इसमें करीब 10 हजार परिवार रहते हैं। करीब आधा किमी की सड़क बदहाल अवस्था में है। रेलवे लाइन होने के चलते वाहन चालकों को फाटक पर रुकना पड़ता है। इस समस्या के समाधान को लेकर जीएमडीए की तरफ से इस रेलवे फाटक के ऊपर फ्लाईओवर निर्माण की योजना तैयार की है। इसके साथ-साथ जमीन अधिग्रहण से जुड़ी जानकारी भूमि अधिग्रहण विभाग और एचएसवीपी से मांगी गई है। सलाहकार कंपनी की तरफ से सर्वे करके बताया जाएगा कि कितनी लेन का फ्लाईओवर इस रेलवे फाटक के ऊपर बनाया जा सकता है। सेक्टर-37सी और डी में रामप्रस्था सिटी, बीपीटीपी टेरा, बीपीटीपी पार्क सरीन, आदि रिहायशी सोसाइटियां हैं। फ्लाईओवर बनने के बाद सेक्टर-37सी और डी में विकसित सोसाइटी, सेक्टर के हजारों परिवारों के अलावा गांवों में रह रहे लोगों को लाभ होगा।

पीएम मोदी ने राज्यसभा में चुनावी रैली की तरह भाषण दिया, आत्ममुग्धता दिखी: जयराम रमेश

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में चुनावी रैली की तरह भाषण दिया, जिसमें उनकी आत्ममुग्धता और डायलॉगबाजी देखने को मिली। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज राज्यसभा में प्रधानमंत्री का एक और 97 मिनट का चुनावी रैली जैसा भाषण देखने को मिला। हमेशा की तरह यह भाषण गालियों और हमलों, तथ्यों की तोड़-मरोड़, नाटकीयता, इशारों और अपमानजनक टिप्पणियों से भरा था, और इसमें उनके हमेशा की तरह खुल्लमखुल्ला और बेशर्म झूठ भी शामिल थे।'' दिखाई देती रही।'' प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत आज विश्व में पैदा हो रहीं चुनौतियों के समाधान के लिए आशा की किरण बना हुआ है और दुनिया एक नयी वैश्विक व्यवस्था की ओर आगे बढ़ रही है। राज्यसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी

देश के लोगों को ही समस्या मानते थे और ''हम 140 करोड़ समाधान'' के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि विपक्षी दल के पास कोई योजना या दृष्टि नहीं थी; हम उनकी गलतियों को सुधारने में काफी समय लगा रहे हैं। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को कहा कि विपक्षी दल राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जवाब सुनना चाहते थे लेकिन भाजपा के लोगों ने सदन में कांग्रेस के उन नेताओं का अपमान किया है जिन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी है। उन्होंने कहा कि आश्चर्य इस बात का है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपमान करने वालों को रोकने का प्रयास तक नहीं किया। खरगे ने राज्यसभा में पीएम मोदी के राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देने के बाद संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि भाजपा के लोगों ने पूर्व पंडित जवाहर लाल नेहरू तथा इंदिरा गांधी जैसे नेताओं का जिस तरह से अपमान किया है कांग्रेस उसकी निंदा करती है। उनका कहना था कि लोकसभा में चार दिन से गतिरोध चल रहा है और वहां विपक्ष के नेता को बोलने नहीं दिया जा रहा है। उनका कहना था कि विपक्ष प्रधानमंत्री का जवाब सुनना चाहता था लेकिन सरकार दो मिनट विपक्ष की बात सुनने को तैयार नहीं हुई इसलिए सभी दलों ने प्रधानमंत्री के जवाब के समय सदन से बहिर्गमन करने का निर्णय लिया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंधी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा। डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।